राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत–गुजरात,संस्करण शुक्रवार, 22 जुलाई 2022 वर्ष–5,अंक–177 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1


## दिल्ली दरबार में कैंप कर रहे हैं जितिन प्रसाद, अभी तक नहीं मिला है बीजेपी नेतृत्व से मिलने का समय

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में योगी सरकार मंत्रियों की नाराजगी का मामला दिल्ली तक पहुंच गया है। लोकनिर्माण विभाग के मंत्री जितिन प्रसाद दिल्ली दरबार में कैंप कर रहे हैं लेकिन अभी तक बीजेपी केंद्रीय नेतृत्व ने मिलने का समय नहीं दिया है। सूत्रों के अनुसार अपने ओएसडी के भ्रष्टाचार के मामले में उलझे जितिन प्रसाद ने भी केंद्रीय नेतृत्व तक अपनी बात पहुंचाई है। इन मामलों में केंद्रीय नेतृत्व ने सीधे तौर पर तो कोई टिप्पणी नहीं की, लेकिन संकेत दिए हैं कि जल्द ही वहां पर सब कुछ ठीक-ठाक कर लिया जाएगा।

वहीं शाम को प्रदेश के लोक निर्माण मंत्री जितिन प्रसाद तबादला विवाद का पटाक्षेप करने की कोशिश करते दिखे। उन्होंने जोर देकर कहा कि वह बिल्कुल नाराज नहीं हैं। योगी सरकार अपनी जीरो टॉलरेंस की नीति के तहत कार्रवाई कर रही है। जो भी गड़बड़ी करेगा उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई होगी। उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा भी की।

जितिन बोले -निष्पक्ष जांच होगी और जहां भी गड़बड़ी है, वहां कार्रवाई होगी

पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद ने अटकलों खारिज किया। उन्होंने न्यूज एजेंसी के एक ट्वीट को री-ट्वीट भी किया। इसमें उन्होंने कहा है- 'पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की जीरो टॉलरेंस की नीति है। अगर विभाग में अनियमितताएं हैं तो सरकार ठोस कदम उठाएगी ही। एक निष्पक्ष जांच होगी और जहां भी गड़बड़ी है, वहां कार्रवाई होगी और बदलाव भी होगा। इसमें नाराजगी की कोई बात नहीं है। इससे पहले माना जा रहा था कि वह दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर अपनी नाराजगी का इजहार कर रहे हैं लेकिन बाद में तथ्य सामने आए कि उन्होंने किसी वरिष्ठ भाजपा नेता से समय नहीं मांगा।

**जानें पूरा मामला**

भ्रष्टाचार को लेकर योगी सरकार का एक्शन जारी है। पीडब्ल्यूडी मंत्री जितिन प्रसाद के ओएसडी अनिल कुमार पांडेय को ट्रांसफर से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाया गया था, जिसके बाद उनके पर कार्रवाई की गई। ओएसडी को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त कर दिया गया है। इतना ही नहीं केन्द्र सरकार से प्रतिनियुक्ति पर आए अनिल पांडेय के खिलाफ विजिलेंस जांच और विभाग कार्रवाई की भी संस्तुति की गई है। बतादें कि अनिल पांडेय को जितिन प्रसाद ही

**● एक निष्पक्ष जांच होगी और जहां भी गड़बड़ी है, वहां कार्रवाई होगी और बदलाव भी होगा। इसमें नाराजगी की कोई बात नहीं है। इससे पहले माना जा रहा था कि वह दिल्ली में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं से मिलकर अपनी नाराजगी का इजहार कर रहे हैं लेकिन बाद में तथ्य सामने आए कि उन्होंने किसी वरिष्ठ भाजपा नेता से समय नहीं मांगा।**

दिल्ली से यूपी लेकर आए थे। 18 जुलाई को अनिल कुमार पांडेय के खिलाफ कार्रवाई के बाद लोक निर्माण विभाग के प्रमुख और मुख्य अभियंता मनोज गुप्ता सहित पांच अधिकारियों को लोक निर्माण विभाग में ट्रांसफर अनियमितताओं के कारण सस्पेंड कर दिया गया है।

### पंजाब के सीएम भगवंत मान दिल्ली के अस्पताल में भर्ती, देर रात अचानक बिगड़ी तबियत

**चंडीगढ़।** पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को तड़के दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। मान की तबीयत खराब होने पर उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पेट में दर्द के लिए मुख्यमंत्री की जाँच की गई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को देर रात पेट में दर्द की शिकायत के बाद दिल्ली के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उनका वर्तमान में राष्ट्रीय राजधानी के सरिता विहार इलाके के इंद्रप्रस्थ अपोलो अस्पताल में इलाज चल रहा है।

**भगवंत मान की तबियत खराब, अस्पताल में भर्ती**

सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान को तड़के दिल्ली के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। मान की तबीयत खराब होने पर उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पेट में दर्द के लिए मुख्यमंत्री की जाँच की गई, जिसके बाद डॉक्टरों ने उनकी जांच की।

बुधवार को अमृतसर के पास पंजाब पुलिस के साथ भारी गोलीबारी के बाद दो सिद्धू मूस वाला हत्यारों को मार गिराए जाने के बाद, मान ने बुधवार को पुलिस और गैंगस्टर विरोधी टास्क फोर्स को राज्य में गैंगस्टरों के खिलाफ एक ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम देने के लिए बधाई दी थी।

मारे गए गैंगस्टरों की पहचान जगरूप सिंह रूपा और मनप्रीत सिंह के रूप में हुई, जिनके पास से मुठभेड़ के बाद एक एके 47 और एक पिस्तौल बरामद की गई। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) से यहां जारी एक बयान में मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने राज्य में गैंगस्टरों और असामाजिक तत्वों के खिलाफ एक निर्णायक युद्ध शुरू किया है, और प्रतिबद्धता के अनुसार, पंजाब पुलिस को बड़ी सफलता मिली है।

### नीट विवाद :

## 'छात्राओं को अंतः वस्त्र उतारने पर विवश करने' के आरोप में दो और लोग गिरफ्तार

**कोल्लम (केरल)।** केरल में राष्ट्रीय पात्रता सह-प्रवेश परीक्षा (नीट) के दौरान छात्राओं को अंतःवस्त्र उतारकर परीक्षा देने के लिए मजबूर करने के आरोप में बृहस्पतिवार को पुलिस ने दो और लोगों को गिरफ्तार किया। एक अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने एक शैक्षणिक संस्थान में हुई नीट परीक्षा के पर्यवेक्षक और परीक्षा समन्वयक से पूछताछ के बाद बृहस्पतिवार को उन्हें गिरफ्तार कर लिया। इसके साथ ही इस मामले में अब गिरफ्तार हो चुके लोगों की संख्या सात हो गयी है। नीट परीक्षा की ड्यूटी में तैनात रहीं पांच महिलाओं को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया था। इनमें से तीन एक एजेंसी के लिए काम करती हैं, जिसकी सेवाएं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) लेती है, जबकि दो महिलाएं अयूर में एक निजी शैक्षणिक संस्थान के लिए काम करती है, जहां यह घटना हुई थी। यह कथित घटना केरल में कोल्लम जिले के अयूर में नीट(स्नातक)-2022 परीक्षा के एक केंद्र पर हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि एनटीए ने कोल्लम का दौरा करने के लिए एक तथ्य अन्वेषण समिति का गठन किया है। यह समिति चार हफ्तों के भीतर अपनी रिपोर्ट सौंपेगी।

## मक्का मस्जिद में पहली बार पहुंचा गैर-मुस्लिम शख्स, दुनियाभर में हंगामा

**नई दिल्ली।** सऊदी अरब के पवित्र शहर मक्का में हाल ही में हज यात्रा संपन्न हुई। दुनियाभर के मुसलमान इस यात्रा पर पहुंचे थे और शांति-अमन की मांग की थी। इसी बीच इजरायल के एक यहूदी पत्रकार की चर्चा जमकर हो रही है। इसलिए क्योंकि वह चोरी-छिपे मक्का शहर पहुंच गया। इस बात का खुलासा तब हुआ जब उन्होंने वहां से तस्वीरें और वीडियो पोस्ट किए। इसके बाद मुस्लिम जगत में हड़कंप मच गया।

**मक्का शहर के अंदर से कर दी रिपोर्टिंग**-दरअसल, इजरायल के एक लोकप्रिय चैनल ने हाल ही में मक्का की एक रिपोर्ट दिखाई थी। इस रिपोर्ट में चैनल के वर्ल्ड न्यूज एडिटर गिल तमारी मक्का शहर में घूमते और रिपोर्टिंग करते दिख रहे हैं। गिल तमारी यहूदी धर्म से संबंध रखते हैं। लोग पहले तो सोच में पड़ गए कि आखिर वहां अंदर से ऐसी रिपोर्टिंग कैसे हो रही है। इस रिपोर्ट में

मक्का शहर की कई महत्वपूर्ण जगहों के बारे में बताया गया।

**किसी भी गैर मुस्लिम के प्रवेश पर रोक है**-जब रिपोर्ट में तमारी प्रसिद्ध मक्का गेट से गुजरते हैं तो लोगों को शक होना शुरू हो गया। इतना ही नहीं रिपोर्ट में विश्व प्रसिद्ध मक्का गेट को भी दिखाया गया है। मक्का शहर की सीमा इसी गेट से मानी जाती है। इस गेट के अंदर किसी भी गैर मुस्लिम के प्रवेश पर रोक है। अगर कोई गैर मुल्सिम इस शहर की सीमा में दाखिल हो जाता है तो उस पर न केवल जुर्माना लगाया जाता है बल्कि उसे डिपोर्ट तक कर दिया जाता है।

**कॉन्फ्रेंस को कवर करने पहुंचे थे सऊदी**-अलजजीरा की एक रिपोर्ट के मुताबिक लोगों ने जब देखा कि तमारी ने मक्का के बाहरी इलाके में स्थित माउंट अराफात पर सेल्फी भी ली है तो नाराजगी शुरू हो गई। पहले तो यह चर्चा शुरू हुई कि यह शख्स कैसे वहां तक पहुंच गया इसके बाद पता चला कि तमारी को पिछले हफ्ते हुए एक कॉन्फ्रेंस को कवर करने के लिए सऊदी अरब आने की अनुमति दी गई थी। इस कॉन्फ्रेंस का फायदा उठाते हुए तमारी मक्का पहुंच गए।

**रिपोर्ट ऑन एयर होते ही भड़के लोग**

रिपोर्ट के मुताबिक कांफ्रेंस के बाद वे सीधे मक्का पहुंच गए। वहां उन्होंने बकायदा रिपोर्टिंग का पूरा पैकेज बनाया और उसे ऑन एयर भी करा दिया।

## अग्निवीरों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में आरक्षण को लेकर सरकार ने कही यह बात

**नई दिल्लीः** सरकार ने संसद में बताया कि सैन्य बलों में नियुक्ति अवधि पूरा कर के निकलने वाले अग्निवीरों को केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और असम राइफल्स में कांस्टेबल (सामान्य ड्यूटी)/रायफलमैन के पदों पर भर्ती में 10 प्रतिशत आरक्षण का लाभ मिलेगा। गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय ने राज्यसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में कहा, ''इसके लिए सैद्धांतिक मंजूरी दी गई है। ऊपरी आयु सीमा में छूट और शारीरिक दक्षता परीक्षा से छूट भी दी जाएगी। सरकारी निर्देशों/आदेशों के अनुसार, सीएपीएफ/एआर में मौजूदा आरक्षण व्यवस्था के तहत सीधी भर्ती में अनुसूचित जाति के अभ्यर्थियों को 15 प्रतिशत, अनुसूचित जनजाति को 7.5 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 27 प्रतिशत तथा इन श्रेणियों में न आने वाले आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के अभ्यर्थियों को 10 प्रतिशत रिक्तियों पर आरक्षण का लाभ दिया गया है। इसके अतिरिक्त चार अक्टूबर 2012 की सरकार की एक अधिसूचना के अनुसार सभी अर्धसैनिक बलों में सहायक कमांडेंट के स्तर तक के पदों में रिक्तियों का 10 प्रतिशत भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित है। राय ने बताया कि सैन्य बलों में चार साल की भर्ती की अवधि पूरी करने के बाद पूर्व

अग्निवीरों का पहला बैच भर्ती के लिए उपलब्ध होने पर उन्हें केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों के कांस्टेबल (जीडी) रायफलमैन पद की भर्तियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण देने का निर्णय लिया गया है।

## एनकाऊंटर के बाद रूपा की मां का बयान-'सिद्धू मूसेवाला की मां को मिला इंसाफ'

**तरनतारन/पट्टी।** अमृतसर के ग्रामीण क्षेत्र में पंजाब पुलिस द्वारा किए गए एनकाऊंटर दौरान मारे गए तरनतारन के गांव जौड़ा निवासी जगरूप सिंह उर्फ रूपा के माता-पिता द्वारा बेटे का शव लेने संबंधी कोई खास जिज्ञासा नहीं जताई जा रही। उनका कहना है कि रूपा को उसकी गलती की सजा मिली है और सिद्धू मूसेवाला की मां को इंसाफ मिला है।

सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद पुलिस ने जहां और गैंगस्टरों को गिरफ्तार कर लिया था, वहीं जगरूप सिंह उर्फ रूपा पुत्र बलविंद्र सिंह निवासी जौड़ा व मन्नु की पुलिस को बेसब्री से तलाश थी। आरोपी जगरूप सिंह उर्फ रूपा के खिलाफ कुल 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। रूपा को

परिजनों द्वारा 4 साल पहले बेदखल किया जा चुका था। वह काफी समय से भगौड़ा चल रहा था। उसका एक छोटा भाई रणजोत सिंह फौज में है और पिता करीब 2 किल्ले खेती योग्य जमीन का मालिक है। रूपा के पिता बलविंद्र सिंह ने कहा कि अगर जगरूप सिंह उर्फ रूपा ने किसी के बेटे की हत्या की है तो पुलिस ने उसको मारना ही था।

जगरूप सिंह रूपा की मां पलविंद्र कौर (जो अपने बेटे की मौत से बिल्कुल भी दुखी नहीं थी) ने बताया कि रूपा को करीब 4 साल पहले गलत बर्ताव को लेकर बेदखल किया जा चुका था। रूपा के साथ परिवार का कोई नाता नहीं था। जगरूप सिंह अक्सर परिवार में झगड़ा करता था व उससे मारपीट भी करता था। गलत संगत में पडने के कारण रूपा नशे का आदी हो गया था। अगर रूपा ने मूसेवाला की हत्या करने की गलती की है तो आज रूपा को सजा मिल चुकी है और मूसेवाला की मां को इंसाफ मिला है। अगर परिवार को रूपा का शव सौंपा जाता है तो ठीक नहीं तो कोई बात नहीं।

## राजस्थान के कई जिलों में येलो अलर्ट, पंजाब से लेकर बिहार तक बारिश के आसार

**नई दिल्ली।** मौसम विभाग ने राजस्थान के कई जिलों में गुरुवार को भारी बारिश की भविष्यवाणी करते हुए एक येलो अलर्ट जारी किया है। आपको बता दें कि राज्य भर में पिछले 24 घंटों में 10 मिमी से 50 मिमी तक बारिश दर्ज की गई है। आईएमडी ने अब अलवर, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, करौली, बीकानेर और हनुमानगढ़ के लिए येलो अलर्ट (वॉच एंड स्टे अपडेट) जारी किया गया है। बुधवार को माउंट आबू तहसील में 150 मिमी, पुष्कर में 100 मिमी, कोटा और धम्बोला में 90 मिमी, सरवर और उदयपुरवती में 80 मिमी, रेलमागरा और खेतड़ी में 70 मिमी और चिकली, मावली, असिंद में 60 मिमी वर्षा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार सुबह 8.30 बजे तक राज्य के जयपुर और भरतपुर संभाग में हल्की से मध्यम बारिश दर्ज की गई।

गुजरात के विभिन्न हिस्सों में भारी बारिश ने जनजीवन ठप कर दिया है। निचले इलाकों के हजारों निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। तापी जिले में तापी नदी पर बने उकाई बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़ा गया।

तेलंगाना भी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ से बुरी तरह प्रभावित हुआ है। गोदावरी नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा था और लगातार हो रही भारी बारिश के बीच गुरुवार को भद्राचलम में तीसरे चेतावनी स्तर पर पहुंच गया। राज्य सरकार ने हाल ही में भारी बारिश और बाढ़ के कारण राज्य को हुए नुकसान के बारे में केंद्र को एक रिपोर्ट भेजी और बाढ़ राहत के लिए तत्काल सहायता के रूप में ? 1,000 करोड़ का अनुरोध किया।

**मध्य प्रदेश में चंबल ने बढ़ा दी क्षक्षक्ष की चिंता, सिंधिया के बाद कृषि मंत्री तोमर के गढ़ में भी हार; कौन जिम्मेदार?**

बुधवार को दिल्ली में मध्यम से भारी बारिश हुई। आईएमडी ने अगले तीन दिनों में राष्ट्रीय राजधानी में बादल छाए रहने, मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की भविष्यवाणी की है। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, अगले दो-तीन दिनों के लिए उत्तर पश्चिम भारत में बारिश की स्थिति बनी रह सकती है।

**इन राज्यों में बारिश के आसार**

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी के अनुसार, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में 21 जुलाई को और उत्तराखंड में 21-23 जुलाई के दौरान बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है। 21 जुलाई को ओडिशा, बिहार और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में बारिश की संभावना है। इसके अलावा 23 जुलाई को झारखंड में अलग-अलग भारी वर्षा होने की संभावना है। 22-24 जुलाई के दौरान ओडिशा में भी बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुविचार — प्राण क्या है देशहित के लिए, देश खोकर हम जिए तो क्या जिए। - कामताप्रसाद गुरु

# संपादकीय

## बढ़त की चुभन

ऐसे वक्त में जब विश्वव्यापी रिकॉर्ड तोड़ महंगाई की टीस हर उपभोक्ता को परेशान कर रही है, दैनिक उपभोग की वस्तुओं व अन्य सुविधाओं पर जीएसटी वृद्धि की तार्किकता पर सवाल उठे हैं। निश्चित रूप से स्वस्थ कर ढांचा सुचारू सरकार संचालन का अपरिहार्य अंग हैं। लेकिन इसके बावजूद आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग व आम आदमी के दैनिक उपभोग की वस्तुओं पर कर लगाने में संवेदनशील व्यवहार की उम्मीद की जाती है। हाल ही में चंडीगढ़ में संपन्न जीएसटी परिषद की बैठक में हुए फैसले सोमवार को लागू हो गये जिससे कई खाद्य वस्तुओं के मंहगे होने की बात कही जा रही है। इसमें निर्माता से पैक होकर आने वाले ब्रांडेड व गैर ब्रांडेड दैनिक उपभोग की वस्तुओं आटा, पनीर व दही आदि पर पांच फीसदी जीएसटी लागू हो गया है। एक तो ये आम उपभोक्ता की वस्तुएं हैं, दूसरे इनके उत्पादन से छोटे कारोबारी जुड़े हैं। अब उन्हें बड़ी कंपनियों के उत्पादों से मुकाबला करना होगा। जाहिर है स्थानीय स्तर पर उत्पादक, उपभोक्ता व रोजगार भी इससे प्रभावित हो सकते हैं। इसी तरह पांच हजार रुपये प्रतिदिन से अधिक किराये वाले अस्पताल के कमरों पर भी जीएसटी लगेगा। दूसरी ओर एक हजार से कम प्रतिदिन किराये वाले होटल के कमरों पर भी बारह फीसदी माल व सेवा कर लगेगा। जाहिर बात है कि पांच हजार प्रतिदिन वाले अस्पताल के कमरे पर जीएसटी लगना भी अखरेगा। हालांकि इस दायरे में संपन्न वर्ग ही आयेगा, लेकिन यह वह परिवार होगा जो पहले ही किसी गंभीर रोग से जूझ रहा होगा। जहां तक प्रतिदिन एक हजार रुपये किराये वाले तक होटल के कमरों के लिये जीएसटी बढ़ाये जाने का सवाल है तो सरकार का कहना था कि इसमें करों की चोरी हो रही थी और उपभोक्ता को इसका लाभ नहीं दिया जा रहा था। हालांकि, सोमवार को वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि सिर्फ 25 किलोग्राम तक के प्री-पैकेज्ड गैर ब्रांडेड खाद्य पदार्थों की खरीददारी पर पांच प्रतिशत की जीएसटी देनी होगी। यह भार यदि 25 किलो से ज्यादा होगा तो उस पर कोई जीएसटी नहीं देना होगा। लेकिन इससे आम उपभोक्ता को खास फायदा नहीं होगा क्योंकि एक बार में कम ही उपभोक्ता इतनी मात्रा में आटा-चावल की तरह के खाद्य पदार्थ खरीदते हैं। दूसरे कहा जा रहा है कि बेकरी उत्पाद बनाने वाले उत्पादकों को इसका लाभ मिलेगा। लेकिन सवाल यह है कि जीएसटी न लगने का लाभ क्या वे उपभोक्ता को देंगे? वैसे बाजार की विसंगतियों के चलते अभी तक बिकने वाले कई खाद्य पदार्थ ब्रांड के नाम से पैक होकर तो बिकते थे, लेकिन पंजीकृत न होने के कारण कर दायरे में नहीं आते थे। निस्संदेह, लाभ उठाने वाले का कर के दायरे में आना तो ठीक है लेकिन उत्पादक इसका सारा बोझ उपभोक्ता पर डाल देते हैं। जिससे निश्चित रूप से महंगाई और बढ़ेगी और पहले से त्रस्त कमजोर वर्ग की मुश्किलों में इससे इजाफा ही होगा। आम धारणा है कि जीएसटी निर्धारण से पूर्व उसके प्रभावों को लेकर गंभीर अध्ययन किया जाना चाहिए जिसके चलते कम आय वर्ग के लोगों की परेशानी में इजाफा न हो। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि कोरोना संकट के बाद प्रतिबंधों व रोजगार के संकुचन के चलते एक बड़े तबके के आय के स्रोत संकुचित हुए हैं। फिर पेट्रोलियम पदार्थों की विश्वव्यापी महंगाई ने हर क्षेत्र में महंगाई को बढ़ाया है। पहले से खुदरा व थोक महंगाई में रिकॉर्ड वृद्धि से पहले ही आम जीवन बुरी तरह प्रभावित है। दैनिक उपभोग की पैक्ड वस्तुओं पर जीएसटी बढ़ाये जाने का सीधा असर आम उपभोक्ता पर ही होगा। इस मुश्किल वक्त में सरकार का रवैया उदार व संवेदनशील होना चाहिए। वहीं सरकार द्वारा कुछ उत्पादों व सेवाओं पर जीएसटी दरें घटाने का कदम स्वागतयोग्य है।

## आज के कार्टुन

## सकारात्मक सोच

जग्गी वासुदेव

दुनिया में बहुत सारे लोग 'सकारात्मक सोच' के बारे में बात करते हैं। ब आप सकारात्मक सोच की बात कर रहे हैं तो एक अर्थ में आप स्तविकता से दूर भाग रहे हैं। आप जीवन के सिर्फ एक पक्ष को देखना हते हैं और दूसरे की उपेक्षा कर रहे हैं। आप तो उस दूसरे पक्ष की उपेक्षा र सकते हैं, लेकिन वो आप को नजरअंदाज नहीं करेगा। अगर आप नेया की नकारात्मक बातों के बारे में नहीं सोचते तो आप एक तरह से खरे के स्वर्ग (अवास्तविक दुनिया) में जी रहे हैं और जीवन आप को पका सबक अवश्य सिखाएगा। अभी, मान लीजिए, आकाश में गहरे काले दल छाए हैं। आप उनकी उपेक्षा कर सकते हैं मगर वे ऐसा नहीं करेंगे। ब वे बरसेंगे तो बस बरसेंगे। आप को भिगोएंगे तो भिगोएंगे ही। आप इसे जरंदाज कर सकते हैं और सोच सकते हैं कि सबकुछ ठीक हो जाएगा- पकी थोड़ी मनोवैज्ञानिक और सामाजिक प्रासंगिकता हो सकती है पर स्तित्व, वास्तविकता की दृष्टि से यह सुसंगत नहीं होगा। यह सिर्फ एक ांत्वना होगी। वास्तविकता से अवास्तविकता की ओर बढ़ते हुए, आप पने आप को सांत्वना, धीरज दे सकते हैं। इसका कारण यह है कि आप । कहीं पर ऐसा लगता है कि आप वास्तविकता को संभाल नहीं सकते। र शायद आप नहीं ही संभाल सकते, अत- आप इस सकारात्मक सोच वशीभूत हो जाते हैं कि आप नकारात्मकता को छोड़ना चाहते हैं और कारात्मक सोचना चाहते हैं। या, दूसरे शब्दों में कहें तो आप कारात्मकता से दूर जाना, उसका परिहार करना चाहते हैं। आप जिस सी चीज का परिहार करना चाहें, वही आप की चेतना का आधार बन ाती है। आप जिसके पीछे पड़ते हैं, वह आप की सबसे ज्यादा मजबूत बात हीं होती। आप जिससे दूर जाना चाहें, वो ही आप की सबसे मजबूत बात जाएगी। वो कोई भी, जो जीवन के एक भाग को मिटा देना चाहता है र दूसरे के ही साथ रहना चाहता है, वह अपने लिये सिर्फ दुख ही लाता । सारा अस्तित्व ही द्वंद्वों के बीच होता है। आप जिसे सकारात्मक और कारात्मक कहते हैं, वो क्या है? पुरुषत्व और स्त्रीत्व, प्रकाश और धकार, दिन और रात। जब तक ये दोनों न हों, जीवन कैसे होगा? यह हना वैसा ही है जैसे आप कहें कि आप को सिर्फ जीवन चाहिए, मृत्यु हीं। लेकिन ऐसा कुछ नहीं होता। मृत्यु है इसीलिये जीवन है।

# आयुर्वेद ज्ञान को और तार्किक बनाने पर बल

दिनेश सी. शर्मा

जुलाई के पहले हफ्ते में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आगामी नई शिक्षा नीति के विभिन्न पहलुओं को लेकर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया था। इस बैठक में मौजूदा शिक्षा व्यवस्था में बृहद-विषयक सुधार करने का परामर्श दिया गया, जिसमें चिकित्सा पढ़ाई भी शामिल है। 'स्वास्थ्य देखभाल में बहु-विकल्प' को बढ़ावा देने के लिए आए कई विचारों में एक यह था कि स्वास्थ्य शिक्षा को एकीकृत किया जाए। यह सुझाव आया कि एलोपैथी मेडिकल पढ़ाई के छात्रों को पुराने वक्त से चली आ रही भारतीय इलाज पद्धति जैसे कि आयुर्वेद की प्राथमिक समझ होनी चाहिए और इसी तरह आयुर्वेद के शिक्षार्थियों को एलोपैथी का प्राथमिक ज्ञान हो। जहां नई शिक्षा पद्धति में इस किस्म के तमाम प्रावधानों के बारे में विचार चला हुआ है वहीं मौजूदा आयुर्वेदिक शिक्षा पाठ्यक्रम को लेकर कुछ चिंतित स्वर भी उभरे। 'इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल एथिक्स' में छपे एक स्वीकारोक्ति लेख में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में आयुर्वेदिक शरीर विज्ञान के एक प्रोफेसर ने भारत में आयुर्वेद की पढ़ाई में गंभीर गलतियों का जिक्र किया। किशोर पटवर्धन के इस लेख से बहुतों की पेशानी पर बल पड़े क्योंकि वे एक जाने-माने आयुर्वेद अनुसंधानकर्ता और बहुत ज्यादा पढ़ी जाने वाली आयुर्वेदिक शरीर विज्ञान किताबों के लेखक हैं। आयुर्वेद की विधा पुरातन ग्रंथ चरक संहिता और सुश्रुत एवं वाग्भट्ट द्वारा इसकी विवेचना पर आधारित है। समय-समय पर अन्य टिप्पणीकार और स्नातकों ने अपनी-अपनी व्याख्या कर इन आलेखों का पुनर्लेखन किया। पिछली कुछ शताब्दियों में, इनके मूल पाठ को आधुनिक मेडिकल साइंस में शारीरिक संरचना, शरीर विज्ञान, रोग-विज्ञान, जैव-रसायन, सूक्ष्म जैविकी में पाए नए ज्ञान के आलोक में व्याख्या कर फिर से लिखा गया। इन व्याख्याओं का उद्देश्य सदा यह परिणाम बनाने के लिए था कि आयुर्वेद ज्ञान और मौजूदा मेडिकल सिद्धांतों में काफी समानता है। प्रयास था कि आधुनिक खोजों के चश्मे से देखकर पुरातन ज्ञान को वैध और तार्किक बनाया जाए। एक अध्यापक और किताबों के लेखक के तौर पर पटवर्धन ने भी ठीक यही किया। उन्होंने माना कि मैंने जानबूझकर पुरातन सूक्तियों में सबसे ज्यादा उन्हीं तार्किक सूक्तियों को चुना जो आधुनिक समय के हिसाब से प्रासंगिक या सही प्रतीत हों। अब वे खुद कह रहे हैं कि पुराने पड़ चुके विचारों को सही सिद्ध करने का उनका यह रवैया गलत था, हालांकि विद्यार्थियों को पढ़ाते और पुस्तकें लिखते समय स्वयं यही किया। उदाहरणार्थ, आयुर्वेद सूक्तियों में- जैसा कि आयुर्वेद शिक्षा एवं शल्य चिकित्सा के स्नातक कोर्स (बीएएमएस) में पढ़ाया जाता है- इसमें कहा गया कि वीर्य का निर्माण अस्थि-मज्जा में होता है जो खून में मिलकर पूरे शरीर में बहता है। इस वक्तव्य को सही सिद्ध करने के लिए, आयुर्वेद की आधुनिक किताबों में यह दलील दी गई कि 'शुक्र' दो किस्म का हो सकता है- यानी एक का मतलब वीर्य है तो दूसरा वह पदार्थ जो समूचे शरीर में मौजूद होता है जैसे कि प्रजनन हार्मोन्स। पटवर्धन एक अन्य उदाहरण मूत्र बनाने में गुर्दे की भूमिका का देते हैं। जहां इस बात के कोई ठोस सबूत नहीं हैं कि पुरातन भारतीयों को मूत्र-तंत्र का सटीक पता था, लेकिन पुनर्व्याख्या करके यह यकीन दिलवाने की कोशिश की गई कि सब कुछ मालूम था। इस तरह नई मेडिकल खोजों और सिद्धांतों से होड़ लेने के लिए पुरानी पाठ्य सामग्री में घुमाकर व्याख्याएं जोड़ने का काम जारी रहा- ताकि यह लोकप्रिय धारणा पुख्ता रहे कि पुराने भारतीय सब कुछ जानते थे और अपने समय से बहुत आगे थे। चिंता इस बात की है कि इस किस्म की अतार्किक और गैर-वैज्ञानिक व्याख्याएं देशभर में सैकड़ों की संख्या में चल रहे आयुर्वेद शिक्षा कॉलेजों में लगी पाठ्य पुस्तकों का हिस्सा हैं। कुछ आयुर्वेदिक दवाओं में भारी धातुएं जैसे कि पारा और कैडमियम की अधिक मात्रा के बारे में विवादों के चलते यूरोप और अमेरिका में पहले ही इन पर नज़र है। साक्ष्य आधारित रवैया अपनाने की बजाय आयुर्वेद के पैरोकारों ने पाठ्य पुस्तकों में आधुनिक सिद्धांतों से मेल खाती व्याख्याएं जोड़ने की राह पकड़ी। उनका कहना है कि आयुर्वेद का भस्म-सिद्धांत आधुनिक काल के नैनो-मेडिसिन के अनुरूप है, इसलिए आयुर्वेद आधुनिक मेडिकल विज्ञान से कहीं आगे रहा है। जबकि आयुर्वेदिक दवाओं में भारी धातुओं की उपस्थिति पर मुख्य चिंता जारी है, जिसके कारण कई मामलों में जिगर को भारी नुकसान की खबरें मिली हैं। केरल के जिगर रोग विशेषज्ञ साइरियाक एब्बी फिलिप विज्ञान पत्रिकाओं में ऐसे मामलों की सूचना लगातार देते आए हैं, लेकिन आयुर्वेदिक दवाओं के विषैले असर को उजागर करने के लिए उनकी खासी खिंचाई की जाती है। जो कुछ भी पुरातन ग्रंथों में है, उसको तार्किक बनाने का प्रयास करना, विचारधारा और राजनीतिक रूप से फायदा लेने के लिए आयुर्वेद की श्रेष्ठता का दावा करने के वास्ते है। विज्ञान विभाग भी इन पाठ्य पुस्तकों में दिए गए दावों का वैज्ञानिक आधार ढूंढ़ने के वास्ते परियोजनाओं को धन दे रहा है, चाहे यह गोमूत्र हो या त्रिदोष सिद्धांत। सरकार पुरातन पद्धति का आलोचनात्मक विश्लेषण करने की अनुमति देना नहीं चाहती। वह चाहती है कि पुरातन ज्ञान को व्यावहारिक, आधुनिक और वैज्ञानिक बनाकर पेश किया जाए। कोविड-19 महामारी के इलाज में आयुर्वेदिक उपचार को बढ़ावा देने के लिए सरकारी एजेंसियों ने ढुलमुल रवैया अपनाया था और कुछ आयुर्वेदिक कंपनियों द्वारा किए गए अवैज्ञानिक दावों का समर्थन किया। मणिपुर के एक पत्रकार को इसलिए जेल में डाल दिया कि उसने कोविड का इलाज गोमूत्र से करने पर शंका व्यक्त की थी। शरीर पर भारी धातुओं के विषैले असर का संज्ञान लेने की बजाय केंद्रीय आयुष मंत्रालय ने एब्बी फिलिप पर पुरातन चिकित्सा पद्धति को बदनाम करने का आरोप लगाया। हो सकता है कल को मंत्रालय और शुद्धतावादी तत्त्व पटवर्धन के साथ भी यही करें। किसी पद्धति का आलोचनात्मक आकलन करना बहुत जरूरी होता है। जैसी संहिता एलोपैथिक दवाओं के लिए है, आयुर्वेदिक दवाओं को भी उसी तरह नियामकों के कड़े और सघन क्लीनिकल परीक्षण से गुजरकर दुष्प्रभाव, सुरक्षा और प्रभावशीलता सिद्ध करनी चाहिए। केवल योग्यता प्राप्त चिकित्सकों और उत्पादकों को आयुर्वेदिक दवाओं से इलाज और भारतीय पद्धति की दवाएं बनाने की इजाजत हो। आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन आधुनिक दवाओं की तर्ज पर मानकों, गुणवत्ता, परीक्षण, लेबलिंग और विपणन के अनुसार हो। नई शिक्षा नीति भारतीय उपचार पद्धति के लिए बने राष्ट्रीय आयोग को आयुर्वेदिक शिक्षण पाठ्यक्रम की समीक्षा का मौका दे रही है। आयुर्वेदिक उपचार पद्धति को विचारधारा के फंदे से मुक्त कर फलने-फूलने दिया जाए।

लेखक विज्ञान संबंधी विषयों के स्तंभकार हैं।

# मिशन : 2024 की तैयारी में जुटी भाजपा

(लेखक- सुनील माथुर)

भारतीय जनता पार्टी उस अफवाह पर अमल नहीं करती जिसमें यह कहा गया हो कि 'कौवा कान काट कर उड़ गया' अफवाह के पूर्व वह कान टटोलती है फिर आगे की रणनीति तैयार करती है। इसका मतलब साफ हुआ कि भाजपा जमीन पर काम करती है हवा में नहीं। क्योंकि पार्टी का सांगठनिक ढांचा बेहद मजबूत और विशाल है। अनुशासन और सुशासन ही उसका मूल मंत्र है। भाजपा पार्टी के लिए एक विजन तैयार करती है। विपक्ष को वह कभी हल्के में नहीं लेती है। जबकि विपक्ष उसे सामान्य रूप में लेता है। भाजपा की इसी नीति का नतीजा है कि कांग्रेस जैसे बड़े दल का अस्तित्व कटघरे में है। भाजपा अपनी राजनीतिक लड़ाई जमीन पर लड़ती है। जबकि विपक्ष उसके मुकाबले में बिखरा हुआ है। सांगठनिक ढांचा बेहद कमजोर है। उसके पास मोदी और योगी जैसा विश्वसनीय और भरोसेमंद चेहरा नहीं है। अमितशाह जैसा कोई चाणक्य नहीं है। भाजपा और उसके सहयोगी संगठन अभी से मिशन- 2024 यानी लोकसभा की चुनाव जमीनी तैयार करने में जुट गए हैं। पार्टी 'ऑनलाइन सर्वे' करा रहीं है। मतदाताओं के मोबाइल पर एक मैसेज भेज कर सर्वे में भाग लेने की बात कही गयी है। हो सकता है यह संदेश आपतक भी पंहुचा हो। सर्वे में 15 बिंदुओं को शामिल किया गया है। सर्वे से यह साबित हो गया है कि भाजपा 2024 में भी प्रधानमंत्री मोदी के चेहरे पर आम चुनाव लड़ेगी। उसका सबसे अधिक फोकस उत्तर प्रदेश और योगी आदित्यनाथ पर भी है। ऑनलाइन सर्वे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी बुलडोजर नीति के साथ नूपुर शर्मा के विवादित बयान को भी जगह मिली है। सर्वे से निकली रायसुमारी को आधार बनाकर पार्टी लोकसभा चुनाव का एक एजेंडा तय करना चाहती है। अब उसकी सक्रियता का अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि कांग्रेस और दूसरे दल अभी उस बारे में सोचना भी शुरू नहीं किया है जबकि भाजपा बड़ी जमीन तैयार करने में जुटी है। भारतीय जनता पार्टी की खूबी रहीं है कि वह हर सियासी लड़ाई को बेहद संजीदगी से लेती है। इसके लिए वह अपने आईटी सेल की युवा जमात को हमेशा रणनीतिक रूप से तैयार रखती है। पार्टी की तरफ से जो 'ऑनलाइन सर्वे' कराया जा रहा है। उसका लिंक है **(nxm1.in/eR/9 )**। सर्वे में मूल रूप से ऐसे मतदाताओं को शामिल किया गया है जिनकी आय 3000 से लेकर 20000 तक है। वह अशिक्षित से लेकर परास्नातक तक हैं या तकनीकी शिक्षा ग्रहण किया है। सर्वे में सभी जाति धर्म और समुदाय के लोगों के साथ-साथ उपजातियों को भी शामिल किया है। सवर्ण के साथ ओबीसी, दलित, ईसाई और मुस्लिम भी शामिल हैं। इसके अलावा किसान, शिक्षक, ठेले वाले, नौकरीपेशा, व्यापारी, महिला, मछलीपालक,सरकारी नौकरी, छात्र और दूसरे वर्ग के लोगों को शामिल किया गया है। इस श्रेणी को 20 भागों में वर्गीकृत किया गया है। 'ऑनलाइन सर्वे' सबसे अहम सवाल किया गया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता का कारण क्या है। विकल्प में दिया गया है राष्ट्रवाद' हिंदुत्व, बेदाग छबि और ईमानदारी। इसके अलावा मोदी के मुकाबले प्रतिपक्ष के चेहरे को भी तलाशने की बात है जिसमें राहुल गाँधी, ममता बनर्जी, नीतीश कुमार और केजरीवाल शामिल हैं। हाल में नूपुर शर्मा के एक धार्मिक बयान को भी लेकर सर्वे में सवाल पूछा गया है कि देश के विभिन्न राज्यों में जो धार्मिक दंगे हुए उसमें क्या नूपुर शर्मा भी जिम्मेदार हैं। अगर जिम्मेदार है तो किस हद तक इसके लिए भी विकल्प दिया गया है। सवाल यह भी है कि विपक्ष के तुष्टीकरण नीति के मुकाबले भाजपा की तृप्तिकरण नीति कितनी कारगर है। यह भी पूछा गया है कि लोकसभा का चुनाव अगर आज हो जाए तो आप किस दल को अपना समर्थन देंगे विकल्प में यूपीए, एनडीए तीसरा मोर्चा के साथ दूसरे दलों को शामिल किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनकी आक्रमक नीतियों को विशेष अहमियत दी गई है।मतदाताओं से पूछा गया है कि 'आपके विचार में योगी आदित्यनाथ की लोकप्रियता का सबसे प्रमुख कारण क्या है'। विकल्प में है हिंदुत्व, राष्ट्रवाद, कानून व्यवस्था के साथ ईमानदारी और दूसरे विकल्प हैं। ऑनलाइन सर्वे में 12 वें नंबर का सवाल है कि उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा की जीत का प्रमुख कारण क्या रहा है। जिसमें विपक्ष की नाकामी, सांप्रदायिक ध्रुवीकरण, योगी की लोकप्रियता और मुफ्त राशन योजना जैसे विकल्प शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तर्ज पर एक सवाल किया गया है कि 'भविष्य में योगी आदित्यनाथ का मुकाबला कौन कर सकता है'। जिसमें अखिलेश यादव, मायावती और प्रियंका गांधी को सामने रखा गया। सर्वे से साफ जाहिर होता है कि अभी पार्टी में मोदी और योगी युग कायम रहेगा। भाजपा को लगता है कि दिल्ली में मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी पार्टी के लिए सबसे फायदेमंद चेहरे हैं। देश में योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर नीति की खूब चर्चा में है । ऑनलाइन सर्वे में इसको भी स्थान मिला है। इस पर सवाल है कि 'मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की बुलडोजर नीति को लेकर आपका क्या मत है। पार्टी की तरफ से एक और महत्वपूर्ण सवाल पूछा गया है कि अगर लोकसभा चुनाव आज हो जाए तो आप की निगाह में चुनावी मुद्दा क्या होगा जो सबसे अहम होगा। मतदाता किस मुद्दे को लेकर वोट करेगा। जिसमें विधायकों के कामकाज, सांप्रदायिक, ध्रुवीकरण, राष्ट्रवाद, महंगाई बेरोजगारी जैसे अहम बिंदु शामिल हैं। भाजपा का यह सर्वे विपक्ष की सोच और नींद को खोलने वाला है। लेकिन फिलहाल विपक्ष इतना तागतवर नहीं दिखता है। वह अपनी बात लोगों को समझाने विफल हो रहा है या भाजपा की नीति को खुद नहीं समझ पा रहा है। विपक्ष की नाकामी की वज़ह से लोग महंगाई, बेरोजगारी और दूसरी समस्याओं से दो-चार होते हुए भी भाजपा वोटिंग करने के लिए मजबूर हैं। समय रहते विपक्ष को यह बात समझनी होगी।

स्वतंत्र लेखक और पत्रकार

## सू-दोकू नवताल 2170

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 9 | 1 | | 3 | | 6 | 7 |
| 1 | | | | 9 | | | | 8 |
| | 8 | | | | 6 | | 4 | |
| 8 | | | | | 2 | 6 | | 5 |
| | 5 | | | | | | 2 | |
| 2 | | 4 | 7 | | | | | 3 |
| | 3 | | 2 | | | | 8 | |
| 6 | | | | 3 | | | | 1 |
| 7 | 1 | | 9 | | 5 | 4 | | |

### सू-दोकू 2169 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 5 | 2 | 9 | 8 | 7 | 6 | 3 | 4 | 1 |
| 3 | 8 | 1 | 5 | 9 | 4 | 2 | 7 | 6 |
| 7 | 4 | 6 | 1 | 3 | 2 | 8 | 5 | 9 |
| 4 | 5 | 8 | 2 | 1 | 9 | 6 | 3 | 7 |
| 9 | 7 | 2 | 6 | 4 | 3 | 5 | 1 | 8 |
| 1 | 6 | 3 | 7 | 5 | 8 | 4 | 9 | 2 |
| 2 | 9 | 7 | 3 | 6 | 5 | 1 | 8 | 4 |
| 8 | 3 | 4 | 9 | 2 | 1 | 7 | 6 | 5 |
| 6 | 1 | 5 | 4 | 8 | 7 | 9 | 2 | 3 |

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 x 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

## फिल्म वर्ग पहेली-2170

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 2 | | 3 | 4 | | | 5 | 6 |
| | | 7 | | | | | 8 | | |
| 9 | | | | 10 | | 11 | | 12 | |
| | | 13 | | | | | 14 | | |
| 15 | | | | | | 16 | | | |
| | | 17 | | | 18 | | 19 | | 20 |
| 21 | 22 | | | 23 | | | 24 | 25 | |
| | | | 26 | | 27 | | | | |
| 28 | | 29 | | | | | 30 | | |
| | | 31 | | | | 32 | | | |

### बायें से दायें:-

1. 'जान की कसम सच कहते हैं हम' गीत वाली फिल्म-3
3. 'पहली पहली बार बलिये' गीत वाली अक्षय कुमार, प्रीति की फिल्म-3
5. आफताब शिवदासानी, युक्ता मुखी की 'तेरे प्यार का छाया नशा' गीत वाली फिल्म-2
7. 'तू मेरे पास भी है' गीत वाली डी. चक्रवर्ती, मनोज वाजपेयी, मनोज राजपाल, उर्मिला की फिल्म-2
9. फिल्म 'सत्यकाम' में धर्मेन्द्र के साथ नायिका कौन थी ?-3
11. गोविंदा, उर्मिला मातोंडकर की 'ये लड़की जवान हो गई' गीत वाली फिल्म-3
13. राकेश रोशन, बिंदिया गोस्वामी की फिल्म-2,2
14. 'तेरे संग प्यार मैं' गीत वाली फिल्म-3
15. फिल्म 'जय संतोषी मां' के गीत 'मैं तो आरती उतारूं रे' की गायिका-2
17. सनी देओल, तब्बू, रीमा सेन अभिनीत फिल्म-2
18. मनोज कुमार, प्रेम चोपड़ा, सरिता अभिनीत फिल्म-3
21. 'चंदा मामा दूर के' गीत वाली फिल्म-3
23. रणधीर कपूर, बबीता की फिल्म-2
24. सनी देओल, रवीना टंडन की 'सैंया मान दिल की बात' गीतवाली फिल्म-3
27. फिल्म 'क्रोध' में सुनील शेट्टी के साथ नायिका कौन थी-2
28. फिल्म 'चला मुरारी हीरो बनने' का नायक कौन था ?-4
30. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-3
31. फिल्म 'पाप की कमाई' में सनी देओल के साथ नायिका -3
32. जीतेंद्र, जयाप्रदा की 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली फिल्म-1

### ऊपर से नीचे:-

1. 'हैलो हैलो बोल के' गीत वाली फिल्म-3
2. 'आ लग जा गले' गीत वाली फिल्म-2,2
4. विनोद मेहरा, रेखा की फिल्म-2
6. राजेंद्र कुमार, वैजयंती माला की फिल्म-2
8. 'तेरी उम्मीद तेरा इंतजार' गीत वाली ऋषि कपूर, शाहरुख, दिव्या भारती की फिल्म-3
10. अजय, अभिषेक, बिपाशा बसु की फिल्म-3
12. अशोक पिच्चर्स द्वारा निर्मित अशोक कुमार, किशोर कुमार, पद्मिनी की 1958 की एक फिल्म-3
15. शशि कपूर, शेखर सुमन, रेखा, नीना गुप्ता की फिल्म-3
16. फिल्म 'लव लव लव' में ऋषि कपूर के साथ नायिका कौन थी ?-2
17. 'नैनों में मेहबूब के' गीत वाली अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की फिल्म-2
18. मिथुन, जैकी, जूही, दिव्या भारती की 'ऐ सनम इतना बता' गीत वाली फिल्म-4
19. 'छम से वो आ जाए' गीत वाली संजय दत्त, अभिषेक, जायेद, एशा देओल, राइमा सेन, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-2
20. धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की 'गैरों पे करम अपनों पे सितम' गीत वाली फिल्म-2
22. 'कल की हसीं मुलाकात के लिए' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-3
25. जैकी, अक्षय खन्ना, डिम्पल, मनीषा की 'आ कहीं दूर चले जाएं हम' गीत वाली फिल्म-4
26. साधना के डबल रोल वाली फिल्म 'मेरा साया' का नायक कौन था ?-3
28. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, मनोज वाजपेई, रवीना, नंदिता की फिल्म-2
29. 'ना ना मेहंदी ना मुझको लगाना' गीत वाली फिल्म 'चोरी चोरी' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी ?-2

### फिल्म वर्ग पहेली- 2169

| | | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| मि | ली | | अ | स | ली | न | क | ली | |
| ला | | अ | म | र | | गी | | ना | ना |
| प | ह | चा | न | | अ | ना | ड़ी | | रा |
| | म | न | | क्रो | ध | | | रा | ज |
| फा | | क | र्म | | र्म | | स | नी | |
| गु | प्त | | | दु | | शा | न | | डो |
| न | | को | य | ला | | का | म | चो | र |
| | आ | ह | | री | ना | | | ट | |
| रा | जा | रा | नी | | दा | ग | | | बा |
| | द | | तू | फा | न | | दि | ल्ल | गी |

## ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन शून्य तक पहुंचाने अग्रणी भूमिका निभाएं विकसित देश: भारत

**संयुक्त राष्ट्र ।**

भारत ने कहा कि विकसित देशों को ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को शून्य के स्तर तक पहुंचाने के दुनिया के लक्ष्य को पाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने इस बात पर जोर दिया है कि वैश्विक तापमान को 1.5 डिग्री सेल्सियस से नीचे रखने के लिए, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को 2030 तक 45 प्रतिशत तक कम करने और 2050 तक शून्य तक पहुंचाने की जरूरत है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव स्नेहा दुबे ने कहा` कि जलवायु परिवर्तन का अधिकतर असर सबसे गरीब देशों और सबसे कमजोर समुदायों द्वारा वहन किया जा रहा है, जबकि वे इस संकट के लिए सबसे कम जिम्मेदार हैं और जिनके पास इस स्थिति को बदलने के लिए वित्त, प्रौद्योगिकी और क्षमता की कमी है। प्रेसिडेंट्स ऑफ द जनरल असेंबली एंड द इकोनॉमिक्स एंड सोशल काउंसिल' की 'द अफ्रीका वी वॉन्ट~ रिकंफर्मिंग द डेवलपमेंट ऑफ अफ्रीका एज़ ए प्रायोरिटी ऑफ द यूनाईटेड नेशन्स सिस्टम' विषय पर आधारित एक उच्च स्तरीय चर्चा में दुबे ने कहा कि विकासित देशों को अपने अनुभव से इसे शून्य तक ले जाने में अग्रणी भूमिका निभानी चाहिए। वैश्विक स्तर पर इसे शून्य तक ले जाने का लक्ष्य समानता के सिद्धांत पर आधारित होना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले साल ग्लासगो में सीओपी26 वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में कहा था कि भारत 2070 तक शून्य कार्बन उत्सर्जन का लक्ष्य हासिल कर लेगा।

## भारत में 2030 तक 30 प्रतिशत बिकेंगे इलेक्ट्रिक वाहन: अध्ययन

**नई दिल्ली ।**

जलवायु एवं ऊर्जा शोध संस्थान के एक अध्ययन में यह अनुमान लगाया गया है` कि देश में 2030 तक बिकने वाले नए वाहनों में 30 प्रतिशत इलेक्ट्रिक यात्री वाहन होंगे। ऊर्जा, पर्यावरण और जल परिषद (सीईईडब्ल्यू) की रिपोर्ट में कहा गया है कि 2050 तक कुल बिकने वाले वाहनों में इलेक्ट्रिक की हिस्सेदारी बढ़कर 75 प्रतिशत हो जाएगी। अध्ययन में कहा गया है कि 2030 तक कुल नए दोपहिया वाहनों में से आधे इलेक्ट्रिक दोपहिया होंगे। इसी तरह तिपहिया और चार पहिया वाहनों में इलेक्ट्रिक की हिस्सेदारी 25 प्रतिशत होगी।

## घरेलू कंपनियों में निजी इक्विटी, उद्यम पूंजी निवेश बढ़कर 34.1 अरब डॉलर पर

**मुंबई ।**

निजी इक्विटी कंपनियों (पीई) और उद्यम पूंजी कोषों (वीसी) ने इस साल की पहली छमाही में घरेलू कंपनियों में 28 प्रतिशत अधिक पैसा लगाया है। इसमें से ज्यादातर निवेश स्टार्टअप इकाइयों को मिला है। एक रिपोर्ट के अनुसार पहली छमाही में घरेलू कंपनियों को निजी इक्विटी कंपनियों और उद्यम पूंजी कोषों से कुल 34.1 अरब डॉलर का निवेश मिला है। एक रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2022 की पहली छमाही में इन कोषों ने 714 सौदों को अंजाम दिया, जिसमें 23.7 अरब डॉलर के 92 बड़े सौदे शामिल हैं।रिपोर्ट में कहा गया है कि क्रमिक आधार पर निवेश पहले के 50.4 अरब डॉलर से 32 प्रतिशत कम है। इस अवधि में निजी इक्विटी व उद्यम पूंजी कोषों द्वारा 120 सौदों में 9.6 अरब डॉलर की निकासी भी देखी। ईवाई इंडिया के भागीदार विवेक सोनी ने कहा कि पहली छमाही में सालाना आधार पर भारतीय कंपनियों में निवेश 28 प्रतिशत बढ़ा है, लेकिन छमाही-दर-छमाही आधार पर इसमें 32 प्रतिशत की गिरावट आई है।

## एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

**मुंबई ।**

एशियाई बाजारों में गुरुवार सुबह मिलाजुला कारोबार देखा गया। कुछ एक्सचेंज लाल निशान पर कारोबार कर रहे तो कुछ में बढ़त दिख रही है। सिंगापुर स्टॉक एक्सचेंज 0.01 फीसदी की गिरावट पर कारोबार कर रहा, जबकि जापान का निक्केई 0.38 फीसदी के नुकसान पर है। हालांकि, ताइवान का शेयर बाजार 0.31 फीसदी और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी 0.36 फीसदी की बढ़त पर कारोबार कर रहा है। चीन का शंघाई कंपोजिट भी 0.08 फीसदी के नुकसान पर है। भारतीय शेयर बाजार से लगातार बिकवाली कर रहे विदेशी निवेशकों ने इस सप्ताह खरीदारी की राह पकड़ ली है। विदेशी निवेशकों के लगातार पैसे लगाने से बाजार को बढ़त बनाने में मदद मिल रही है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले सत्र में भी 1,780.94 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे, जबकि इसी दौरान घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 230.22 करोड़ के शेयर बेच डाले।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**मुम्बई ।**

मुम्बई शेयर बाजार में गुरुवार को भी तेजी जारी रही। इसे पहले गत दिवस भी बाजार भारी उछाल के साथ बंद हुआ था। सप्ताह के चौथे कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले सकारात्मक संकतों के साथ ही आईटी, ऑटो, एनर्जी शेयरों में तेजी से बाजार उछला है। बैंकिंग, एफएमसीजी, मेटल शेयरों में भी अच्छी लिवाली से बाजार को बल मिला। इसके साथ ही मिडकैप, स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 284.42 अंक करीब 0.51 फीसदी की बढ़त के साथ ही 55,681.95 अंक तक पहुंचा जबकि पचास शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 84.40 अंक तकरीबन 0.51 फीसदी बढ़कर 16,605.25 के स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इंडसइंड बैंक , बजाज फाइनेंस, टाटा कंज्यूमर प्रोडक्ट, यूपीएल और बजाज फिनसर्व के शेयरों को लाभ हुआ जबकि डॉ रेड्डी लैब , कोटक महिन्द्रा बैंक , एसबीआई लाईफ इंश्यूरेंस , सिप्ला और टेक महिन्द्र के शेयर गिरे हैं। वहीं एक सर्वे के आधार पर व्यापार संगठन फिक्की ने वित्त वर्ष 2022-23 की जीडीपी ग्रोथ अनुमान को अपने पहले 7.4 फीसदी के अनुमान से घटाकर 7 फीसदी कर दिया है इससे भी बाजार की तेजी पर अंकुश लगा। दूसरी ओर वहीं सालाना आधार पर पीवीआर घाटे से मुनाफे में आई है। कंपनी के शानदार परिणामों के बाद इस स्टॉक में तेजी नजर आई है। वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का

कॉस्पी और जापान का निक्की लाभ में जबकि चीन में शंघाई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंगसेंग गिरा है। इसके अलावा यूरोप के प्रमुख बाजारों में शुरूआती कारोबार में मिश्रित रुख रहा। गत दिवस अमेरिकी बाजार में तेजी रही। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेज की कीमतें गिरी हैं। तेल मानक ब्रेंट क्रूड 3.90 फीसदी की गिरावट के साथ 102.8 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया है।

## वाहन कलपुर्जा कंपनियों के सालाना राजस्व में 8-10 प्रतिशत की बढ़ोतरी होगी

**मुंबई ।**

वाहनों के कलपुर्जे बनाने वाली 49 कंपनियों का सालाना राजस्व चालू वित्त वर्ष में आठ से 10 प्रतिशत की वृद्धि के साथ तीन लाख करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है। घरेलू रेटिंग एजेंसी ने यह अनुमान लगाया है। एजेंसी ने कहा कि स्थिर मांग के बीच आपूर्ति-श्रृंखला के मुद्दे धीरे-धीरे हल होने के साथ वाहन कलपुर्जा कंपनियों का राजस्व बढ़ेगा। मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) खंड की स्थिर मांग, वाहनों को बेहतर होने, स्थानीयकरण पर ध्यान, बेहतर निर्यात क्षमता और इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) अवसरों से वाहन कलपुर्जा आपूर्तिकर्ताओं के लिए स्वस्थ वृद्धि की संभावनाएं बनी हैं। एजेंसी का कहना है कि चालू वित्त वर्ष 2022-23 की पहली छमाही में लागत पर दबाव जारी रहेगा। हालांकि, जिंस कीमतों और आपूर्ति-पक्ष के मुद्दे हल होने से 2022-23 में परिचालन मार्जिन में 0.5 से 0.75 प्रतिशत का सुधार होगा। एजेंसी को उम्मीद है कि वाहन कलपुर्जा कंपनियां 2022-23 में अपने पूंजीगत व्यय को धीरे-धीरे बढ़ाकर परिचालन आय का छह से 6.5 प्रतिशत करेंगी। यह 16,000-18,000 करोड़ रुपये बैठता है।

## ब्लैकरॉक इंक ने पहले छह महीने में गंवाए 17 ट्रिलियन डॉलर

**- भारत की आधी जीडीपी के बराबर हैं ये पैसे**

**नई दिल्ली ।** दुनिया की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी ब्लैकरॉक इंक ने इस साल के पहले छह महीने यानी जनवरी से जून के दौरान बाजार में 1.7 ट्रिलियन डॉलर गंवा दिए। यह भारत की जीडीपी के साइज के आधे से अधिक है।

ब्लैकरॉक ने कुछ ही समय पहले ऐसी पहली कंपनी बनने का रिकॉर्ड बनाया था, जो 10 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा की संपत्ति का प्रबंधन कर रही हो अब कंपनी ने छह महीने की अवधि में सबसे ज्यादा पैसे गंवाने का रिकॉर्ड बना दिया है कंपनी के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी लैरी फिंक ने पिछले सप्ताह अर्निंग कॉल में कहा` कि साल 2022 की शुरुआत पिछले 50 साल में शेयरों और बॉन्ड दोनों के लिहाज से सबसे खराब रहा है। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के अनुसार कुछ कंपनियां अभी के हालात में भी पैसे बनाने में कामयाब रही हैं, जबकि ज्यादातर कंपनियों ने बचने के प्रयास किए हैं। हालांकि दिग्गज इन्वेस्टर कंपनी ब्लैकरॉक हाथ पर हाथ धरे हताश नजर आई जून महीने के अंत तक स्थिति ऐसी हो गई कि कंपनी बमुश्किल अपनी 25 फीसदी संपत्ति ही बेंचमार्क से बेहतर परफॉर्म कर पाई ब्लैकरॉक ने पिछले एक दशक के दौरान इन्वेस्टमेंट की अपनी स्ट्रेटजी बदली है इस दौरान कंपनी ने एक्टिव इक्विटी से करीब 21 बिलियन डॉलर की निकासी की, तो दूसरी ओर इंडेक्स्ड इक्विटी में 730 बिलियन डॉलर झोंक डाले लैरी फिंक ने ने 1988 में इस कंपनी की शुरुआत की थी और ब्लैकरॉक को 1999 में शेयर बाजार में लिस्ट कराया गया था।

# दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति बने भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी, बिल गेट्स को पीछे छोड़ा

**मुंबई ।**

भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी के खाते में एक और उपलब्धि जुड़ गई है। अदाणी माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स को पीछे छोड़कर दुनिया के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति बन गए हैं। फोर्ब्स द्वारा जारी रीयल-टाइम अरबपतियों की सूची में उनका स्थान टेस्ला के संस्थापक एलन मस्क, एलवीएमएच के चीफ एक्सिक्यूटिव बर्नार्ड अर्नाल्ट और अमेजन के जेफ बेजोस के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं। 60 वर्षीय बिजनेस टाइकून अदाणी की कुल संपत्ति गुरुवार को 115.6 बिलियन डॉलर हो गई। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल गेट्स को पीछे छोड़ दिया, जिनकी संपत्ति 104.6 बिलियन डॉलर आंकी गई है। 90 बिलियन डॉलर के साथ रिलायंस इंडस्ट्रीज के कर्ता-धर्ता मुकेश अंबानी इस सूची में 10वें स्थान पर हैं। टेस्ला और स्पेसएक्स के संस्थापक एलन मस्क, जो हाल के दिनों में ट्विटर विवाद को लेकर चर्चा में रहे हैं, 235.8 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ सूची में सबसे ऊपर है। इस सूची में शामिल अन्य लोगों में लैरी एलिसन, वारेन बफेट, लैरी पेज और सेर्गेई ब्रिन शामिल हैं। अदानी समूह

के अध्यक्ष अदाणी को कमोडिटी, सी-पोर्ट, खान और हरित ऊर्जा में कारोबार के लिए जाना जाता है। हाल ही में जब उन्होंने एशिया के सबसे अमीर व्यक्ति के रूप में मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ा था। अदाणी समूह के शेयरों में पिछले दो वर्षों में 600 फीसद से अधिक की वृद्धि हुई है। हरित और बुनियादी ढांचा क्षेत्र में काम करने के कारण सरकारी योजनाओं में उनकी भगीदारी बढ़ी है।

रिपोर्ट में कहा है कि बमुश्किल तीन साज में अदाणी ने सात हवाई अड्डों सहित भारत के हवाई यातायात के लगभग एक चौथाई पर नियंत्रण हासिल कर लिया है। उनका समूह अब देश के सबसे बड़े हवाई अड्डे के संचालक, पावर प्लांट और सिटी गैस रिटेलर का मालिक है। अदाणी समूह ने इजराइल में महत्वपूर्ण बंदरगाह हाइफा के विकास का टेंडर हासिल किया है। बता दें कि हाइफा इजराइल के तीन प्रमुख अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों में सबसे बड़ा है। रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया के साथ अदानी डेटा नेटवर्क्स ने भी आगामी 5जी नीलामी में भाग लेने के लिए आवेदन किया है। अदाणी समूह ने कहा है कि वह भी स्पेक्ट्रम हासिल करने की रेस में है। पिछले महीने गौतम अदाणी के 60वें जन्मदिन के मौके पर उनके परिवार ने सामाजिक कार्यों के लिए 60,000 करोड़ रुपये दान करने का संकल्प लिया था।

# अमेरिकी फेडरल रिजर्व जुलाई में ब्याज दर में कर सकता है बढ़ोतरी

**- मंदी की आशंका बढ़ी, भारत पर क्या होगा असर?**

**वाशिंगटन ।**

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की अगले हफ्ते होने वाली बैठक पर कारोबो रियों की निगाहें टिकी हुई हैं। अमेरिका में तेज महंगाई के बीच अनुमान है कि इस बार अमेरिकी फेड 75 आधार अंकों पर ब्याज दर बढ़ाने का विकल्प चुनेगा। इस निर्णय के बाद 40 फीसदी मंदी की आशंका बढ़ जाएगी। ये बातें रायटर पोल्स में अर्थशास्त्रियों के एक सर्वे में सामने आई हैं। अमेरिका में जून में मुद्रास्फीती 9.1 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 40 साल का उच्च स्तर है। पिछली बार के रेट हाइक के बाद महंगाई घटने के फेड की उम्मीदों पर पानी फिर गया। इसके बाद अनुमान लगाया जा रहा था कि फेड और आक्रामक नीति अपनाएगा। इसलिए अनुमान था कि एक फीसदी तक रेट हाइक इस बार हो सकती है। पिछले महीने फेड द्वारा 75 आधार अंक की ब्याज दरों में बढ़ोतरी 1994 के बाद से सबसे बड़ी रेट हाइक थी। इस महीने के आंकड़े आने के बाद यह अंदाजा लगेगा कि फेड के रेट हाइक का कितना असर हो रहा है। अर्थशास्त्रियों ने अनुमान जताया है कि फेड 26-27 जुलाई की बैठक के अंत में ब्याज दरों में 75 आधार अंकों की बढ़ोतरी करेगा। इस रेट हाइक के बाज अमेरिकी में ब्याज रेपो रेट 2.25-2.50 प्रतिशत तक पहुंच जाएगी। अगर अमेरिकी फेड ब्याज दर बढ़ाता है तो इसका सीधा असर हम पर होगा। विशेषज्ञ के मुताबिक अमेरिकी फेड के कदम को देखकर ही भारत का रिजर्व बैंक भी कदम उठाएगा। अगर वहां आक्रामक रेट हाइक होता है तो हमारे यहां भी ब्याज दरों में बढ़ी बढ़ोतरी हो सकती है। जिससे ईएमआई से लेकर लोन तक महंगा होगा।

## फोनपे अपने मुख्यालय को भारत लाएगी

**नई दिल्ली ।**

वालमार्ट समूह की डिजिटल भुगतान कंपनी फोनपे अपने मुख्यालय को सिंगापुर से भारत लाने पर विचार कर रही है। वहीं फोनपे में सबसे अधिक हिस्सेदारी रखने वाली फ्लिपकार्ट का अपने मुख्यालय को भारत लाने का इरादा नहीं है और यह सिंगापुर में बना रहेगा। संपर्क करने पर ऑनलाइन भुगतान कंपनी फोनपे के एक प्रवक्ता ने भी मुख्यालय के भारत लाने की पुष्टि की है। प्रवक्ता ने कहा कि हम अपनी पंजीकृत इकाई को सिंगापुर से भारत लाने की प्रक्रिया में है। वहीं, इस संबंध में फ्लिपकार्ट का भेजे गए ई-मेल का ई-कॉमर्स कंपनी ने फिलहाल कोई जवाब नहीं दिया।

# बैंक के उचित व्यवहार नहीं करने पर कर सकते हैं शिकायत

**- बैंकिंग लोकपाल से भी शिकायत कर अपनी समस्या का समाधान पा सकते हैं**

**नई दिल्ली ।**

बैंक कर्मचारी अगर आपके काम के लिए आपको यहां से वहां टहलाए तो आप इसकी शिकायत कर जिम्मेदार पर कार्रवाई करा सकते है। वहीं ग्राहकों को बैंक सेवाओं से जुड़े कुछ अधिकार मिले हुए हैं जिनकी जानकारी के अभाव में वह इसका फायदा नहीं उठा पाते बैंक में ग्राहकों को कई ऐसे अधिकार मिलते हैं, जिनकी जानकारी ग्राहकों को नहीं होती। ग्राहकों के साथ बैंक का सही व्यवहार करना जरूरी है! ग्राहकों को अधिकार है कि अगर बैंक उचित व्यवहार नहीं करता तो वह सीधे रिजर्व बैंक तक अपनी शिकायत पहुंचा सकते हैं आपके साथ अगर इस तरह का कोई भी मामला सामने आए तो आप बैंकिंग लोकपाल से शिकायत कर सकते हैं और अपनी समस्या का समाधान पा सकते हैं। बैंक ग्राहकों को कई अधिकार दिए गए हैं, लेकिन इनके बारे में जानकारी न होने के कारण वे कर्मचारियों की आनाकानी का सामना करते हुए शांत बैठ जाते हैं अगर कोई बैंक कर्मी आपके काम को करने में लेट-लतीफी करे तो आप उस बैंक के मैनेजर या नोडल ऑफिसर से शिकायत कर सकते हैं इसके अलावा ग्राहकों की र्शो कायतों के निपटान के लिए लगभग हर बैंक के ग्रीवेंस रिड्रेसल फोरम होते हैं जिनके जरिए आप अपनी शिकायत का समाधान कर सकते हैं।

आप जिस भी बैंक के ग्राहक हों, उस बैंक के कर्मचारी की शिकायत के लिए बैंक का ग्रीवेंस रिड्रेसल नंबर लेकर शिकायत कर सकते हैं। इसके अलावा बैंक के टोलफ्री नंबर समस्या बता सकते हैं। कुछ बैंक ऑनलाइन र्शो कायत दर्ज करने की सुविधाएं भी देते हैं। भारतीय स्टेट बैंक के ग्राहक किसी भी शाखा के कर्मचारी की शिकायत टोल फ्री नंबर 1800-425-3800/1-800-11-22-11 पर कर सकते हैं। पंजाब नेशनल बैंक के ग्राहक बैंक के कस्टमर केयर नंबर या अपीलेट अर्थॉरिटी से संपर्क साध सकते हैंइसकी जानकारी पीएनबी की वेबसाइट पर आसानी से मिल सकती है।

## गंभीर बीमारी वाली दवाओं की कीमत कम करेगी सरकार

**- फार्मा कंपनियों से बात करेंगे स्वास्थ्य मंत्री**

**नई दिल्ली ।**

देश में गंभीर बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली दवाएं जल्द सस्ती हो सकती हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया के व्यापार मार्जिन रेशनलाइजेशन के तहत आने वाली दवाओं की लिस्ट को अंतिम रूप देने के लिए बड़े फार्मा कंपनियों की बैठक बुलाई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा` कि मंत्री 26 जुलाई को गैर-अनुसूचित दवाओं पर टीएमआर कम करने के लिए कंपनियों से मुलाकात करेंगे। ट्रेड मार्जिन तय करके सरकार महत्वपूर्ण दवाओं की कीमतों को कम करने की योजना बना रही है। ट्रेड मार्जिन निर्माताओं के लिए व्यापार की कीमत और अधिकतम खुदरा मूल्य के रूप में मरीजों को मिलने वाले मूल्य के बीच का अंतर है। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि बैठक मंत्री कार्यालय में बुलाई जाएगी। स्वतंत्रता दिवस पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दवा की कीमतों में कटौती की घोषणा की जा सकती है। दवा की कीमत पर नजर रखने वाली संस्था नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी (एनपीपीए) पिछले कई महीनों से टीएमआर योजना पर काम कर रही है। 2018-19 में एनपीपीए ने 42 चुनिंदा गैर-अनुसूचित कैंसर रोधी दवाओं के ट्रेड मार्जिन पर रोक लगाई थी। एनपीपीए के आंकड़ों से पता

चलता है कि 100 रुपए प्रति टैबलेट से ऊपर की दवाओं के मामले में 8 फीसदी दवाओं का ट्रेड मार्जिन 200 से 500 फीसदी, 2.7 का मार्जिन 500 -1,000 और 1.48 का 1,000 फीसदी से ज्यादा है। सरकार आगामी बैठक में उद्योग जगत से सलाह मशविरा करने के बाद इस फैसला लेगी।

## साइबर अपराधियों ने अमेरिकियों से ठगे 4 करोड़ डॉलर

**- एफबीआई ने फर्जी वेबसाइट व ऐप्स को लेकर किया सचेत**

**नई दिल्ली ।**

एफबीआई ने बढ़ते घोटालों को लेकर चेतावनी दी है। एफबीआई की एक नई रिपोर्ट में कहा गया है कि नकली क्रिप्टो ऐप को बढ़ावा देने वाले साइबर बदमाशों द्वारा 244 अमेरिकियों से अनुमानत~ 42.7 मिलियन डॉलर (4.2 करोड़ डॉलर) ठगे गए हैं। एजेंसी वित्तीय संस्थानों के साथ-साथ व्यक्तिगत निवेशकों को सतर्क रहने की सलाह दे रही है। वे कहते हैं कि बदमाशों को अधिक सफलता उन लोगों से मिल रही है जो इस तरह के फ्रॉड से अनजान हैं। क्रिप्टोकरेंसी चुराने के लिए ठग किसी वित्तीय कंपनी की नकल करने वाली वेबसाइट भी बना रहे हैं। अप्रैल में साइबर सुरक्षा वेबसाइट क्रेब्सऑनसिक्योरिटी ने एक क्रिप्टो-संबंधित घोटाले के बारे में पोस्ट किया था जिसमें प्रसिद्ध पोर्टफोलियो मैनेजर कैथी वुड और उनकी निवेश फर्म एआरके इन्वेस्ट के नाम का इस्तेमाल पीड़ितों को एक नकली वेबसाइट की ओर भेजने के लिए किया गया था। एफबीआई का कहना है कि अपराधी अक्सर वास्तविक क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म या वित्तीय संस्थानों के ब्रांड नाम, लोगो और अन्य पहचान की जानकारी चुराते हैं। फिर नकली ऐप बनाते हैं जो आपको विश्वास दिलाती है कि आप असली प्लेटफॉर्म पर ही कारोबार कर रहे हैं।

एक मामले में दो दर्जन से अधिक लोगों को एक वैध ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म की तरह दिखने वाले नकली द्वारा बेवकूफ बनाया गया था। पीड़ितों को बाद में पता चला कि उनके साथ धोखा हुआ है। उस मामले में स्कैमर्स ने 3.7 मिलियन चुराए थे। आमतौर पर सभी पीड़ितों को एक मोबाइल ऐप डाउनलोड करने के लिए आश्वस्त किया जाता है जो भेदिए की तरह काम करता है। इसलिए क्रिप्टोकरेंसी ट्रेडर्स को उनके द्वारा डाउनलोड किए जाने वाले किसी भी मोबाइल ऐप से सावधान रहना चाहिए। किसी अपरिचित ऐप पर क्रिप्टो व्यापार करने के लिए आपको मिलने वाले किसी भी आग्रह पर संदेह करें। किसी भी ऐप या वेबसाइट को जांचें। अगर कोई व्यक्ति आपको इस संबंध में इमेल करता है तो यह सुनिश्चित कर लें कि क्या वह वही शख्स है जो वह होने का दावा कर रहा है.

भारत में भी बड़े स्तर पर क्रिप्टोकरेंसी में कारोबार होता है।

## डिजिटल बैंकों को बढ़ावा देने नियामक रूपरेखा बनाना चाहिए: नीति आयोग

**नई दिल्ली ।**

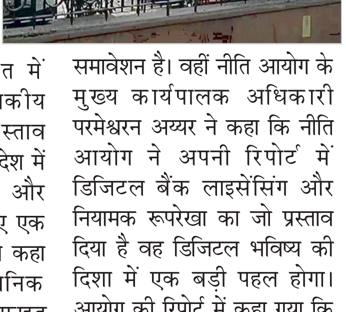


नीति आयोग ने कहा है कि भारत के पास डिजिटल बैंकों की सुविधा देने के लिहाज से आवश्यक प्रौद्योगिकी है और इसे बढ़ावा देने के लिए नियामक रूपरेखा बनाने की जरूरत होगी। आयोग ने डिजिटल बैंक: भारत में लाइसेंसिंग और नियामकीय व्यवस्था के लिए एक प्रस्ताव शीर्षक की अपनी रिपोर्ट में देश में डिजिटल बैंक लाइसेंसिंग और नियामकीय व्यवस्था के लिए एक खाका तैयार किया है। उसने कहा कि भारत की सार्वजनिक डिजिटल अवसंरचना यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) के जरिए लेनदेन मूल्य के आधार पर 4000 अरब डॉलर को पार कर चुका है। रिपोर्ट में कहा गया कि आधार सत्यापन 55000 अरब के पार चला गया है। अंततः भारत अपने स्वयं के खुले बैंकिंग ढांचे को संचालित करने के लिए तैयार है। इन सूचकांकों से पता चलता है कि भारत के पास डिजिटल बैंकों को पूरी तरह से संचालित करने के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने कहा` कि यह अगले चरण का वित्तीय समावेशन है। वहीं नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी परमेश्वरन अय्यर ने कहा कि नीति आयोग ने अपनी रिपोर्ट में डिजिटल बैंक लाइसेंसिंग और नियामक रूपरेखा का जो प्रस्ताव दिया है वह डिजिटल भविष्य की दिशा में एक बड़ी पहल होगा। आयोग की रिपोर्ट में कहा गया कि डिजिटल बैंकिंग नियामक रूपरेखा और नीति के लिए ब्लूप्रिंट तैयार करने के साथ भारत के पास फिनटेक क्षेत्र में वैश्विक नेता के तौर पर अपनी स्थिति को मजबूत करने का अवसर होगा। इसके साथ ही देश सार्वजनिक नीति संबंधी अनेक चुनौतियों का समाधान भी करने में सक्षम होगा। पिछले वर्ष नीति आयोग ने 'डजिटल बैंक: भारत में लाइसेंसिंग और नियामकीय व्यवस्था के लिए एक प्रस्ताव शीर्षक वाला एक चर्चा पत्र जारी करके उस पर टिप्पणियां मांगी थीं।

# धवन की कप्तानी में भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ जीत से शुरुआत करने उतरेगी

**पोर्ट ऑफ स्पेन (एजेंसी)।**

शिखर धवन की कप्तानी में युवा खिलाड़ियों से भरी भारतीय क्रिकेट टीम शुक्रवार को यहां तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के पहले मैच में मेजबान वेस्टइंडीज टीम पर जीत के इरादे से उतरेगी। इस मैच में भारतीय टीम के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पदार्पण के लिए तैयार हैं। अर्शदीप ने आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया था। इसके बाद दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज में भी उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। आंकड़ों पर नजर डालें तो भारतीय टीम इस मैच में जीत की प्रबल दावेदार है। भारतीय टीम यहां पिछले एक दशक से अजेय बनी हुई है। अब तक देखा जाये तो इस मैदान पर दोनों टीमों के बीच 16 एकदिवसीय मुकाबले हुए हैं जिसमें भारतीय टीम ने आठ जबकि वेस्टइंडीज ने सात जीते हैं।

इस सीरीज में रोहित शर्मा , जसप्रीत बुमराह, ऋषभ पंत सहित कई अनुभवी खिलाड़ियों के नहीं होने से युवा खिलाड़ियों के पास अपनी प्रतिभा दिखाने का अच्छा अवसर रहेगा। शुभमन गिल की टीम में वापसी हुई है। वह धवन के साथ पारी की शुरुआत कर सकते हैं। शुभमन के अलावा युवा ईशान किशन और ऋतुराज गायकवाड़ को भी पारी की शुरुआत का अवसर मिल सकता है।

मध्यक्रम में दीपक हुडा और सूर्यकुमार यादव को जगह मिलना तय है। हाल में इन दोनो खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार रहा है। श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन में से किसे अवसर मिलता है यह देखना होगा। अय्यर इंग्लैंड दौरे में शॉर्ट पिच गेंदों के सामने विफल रहे थे। ऐसे में अगर उन्हें जगह मिलती है तो उनपर बड़े स्कोर का दबाव रहेगा। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के नहीं होने के कारण शार्दुल ठाकुर को टीम में जगह मिल सकती है। इस पिच से स्पिनरों को मदद मिलने की उम्मीद है। ऐसे में स्पिनर युजवेंद्र चहल और रविन्द्र जडेजा को अवसर मिलना तय है। अक्षर पटेल भी एक अच्छे विकल्प हैं। तीसरे स्पिनर के रूप में विकल्प हैं। तेज गेंदबाज के तौर पर अर्शदीप के अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और मोहम्मद सिराज को अंतिम एकादश में जगह मिलेगी।

वहीं दूसरी ओर कप्तान निकोलस पूरन की वेस्टइंडीज टीम भी इस सीरीज में बेहतर प्रदर्शन कर हार का सिलसिला तोड़ना चाहेगी। उसे लगातर तीन सीरीज में ऑस्ट्रेलिया , बांग्लादेश और आयरलैंड से हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में इस सीरीज में उसकी नजरें वापसी कर रहे ऑलराउंडर जेसन होल्डर पर टिकी रहेंगी। मेजबान टीम को जीत दर्ज करनी है तो उसे बल्लेबाजी के साथ ही गेंदबाजी में भी सुधार करना होगा। पिछले कुछ समय के अंदर उसे बल्लेबाज निर्धारित ओवर तक भी नहीं खेल पाये हैं। वहीं गेंदबाज भी विरोधी बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में असफल रहे हैं।

# अनु रानी ने लगातार दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप के फाइनल्स में बनाई जगह

**यूजीन (एजेंसी)।**

भारत की भाला फेंक खिलाड़ी अन्नू रानी ने गुरुवार को यहां अपने आखिरी प्रयास में 59.60 मीटर भाला फेंक कर विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के फाइनल्स के लिए क्वालीफाई किया। अन्नू पर शुरू में ही बाहर होने का खतरा मंडरा रहा था क्योंकि उनका पहला प्रयास 'फाउल% हो गया था जबकि दूसरे प्रयास में वह 55.35 मीटर तक ही भाला फेंक पाई थी। आखिर में वह 59.60 मीटर भाला फेंकने में सफल रही जो फाइनल्स में जगह बनाने के लिए पर्याप्त था। वह ग्रुप बी क्वालीफिकेशन दौर में पांचवें स्थान पर रही और उन्होंने दोनों ग्रुप में आठवें सर्वश्रेष्ठ प्रयास के आधार पर फाइनल्स में जगह बनाई। यह 29 वर्षीय राष्ट्रीय रिकार्ड धारक 60 मीटर तक नहीं पहुंच पाई लेकिन उनके पास शनिवार को होने वाले फाइनल्स में अपने प्रदर्शन में सुधार करने का मौका रहेगा। उनका सत्र का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 63.82 मीटर है। दो वर्गों में 62.50 मीटर या 12 सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले ने फाइनल्स में जगह बनाई। केवल तीन प्रतियोगी ही 62.50 मीटर के स्वतः क्वालीफाइंग मार्क को हासिल कर पाए। विश्व चैंपियनशिप में तीसरी बार भाग ले रही अन्नू ने लगातार दूसरी बार इस प्रतियोगिता के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया है। वह 2019 में दोहा में पिछली विश्व चैंपियनशिप में 61.12 मीटर के सर्वश्रेष्ठ थ्रो के साथ फाइनल में आठवें स्थान पर रही थी। इस बीच महिलाओं की 5000 मीटर में पारुल चौधरी हीट नंबर दो में 15 मिनट 54.03 सेकेंड के समय के साथ 17वें और कुल मिलाकर 31वें स्थान पर रहकर सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रहीं।

# भारत को कोहली की मदद करने की जरूरत, शीर्ष क्रम में उसके लिए सहज बल्लेबाजी क्रम ढूंढना होगा: पोंटिंग

**दुबई।(एजेंसी)।**

अस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज रिकी पोंटिंग का मानना है कि लंबे समय से विराट कोहली की खराब फॉर्म का कारण उनके बल्लेबाजी क्रम में लगातार बदलाव है और उन्हें डर है कि अगर इस स्टार बल्लेबाज को टी20 विश्व कप टीम से बाहर किया गया तो उसे दोबारा अपनी जगह बनाने में दिक्कत हो सकती है। कोहली को इस साल इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान रनों के लिए जूझना पड़ा था और उन्होंने लगभग तीन साल से भारत के लिए किसी भी प्रारूप में शतक नहीं जड़ा है। पोंटिंग ने कहा कि अंतिम एकादश में कोहली के स्थान में लगातार बदलाव की जगह भारतीय टीम प्रबंधन को उसे लय हासिल करने के लिए आत्मविश्वास देना चाहिए। आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान पोंटिंग ने 'द आईसीसी रिव्यू' से कहा, ''उन्हें संभवतः उसकी फॉर्म में वापसी के लिए नए तरीके ढूंढने का प्रयास करना चाहिए और उसकी मदद करनी चाहिए।'' उन्होंने कहा, ''उसे अधिकतर किसी अन्य की जगह बल्लेबाजी क्रम में ऊपर भेजा जाता है, आप विराट की जगह बनाने का प्रयास करने के लिए किसी और की जगह बदलते हो। उसने पारी का आगाज किया है, वह आईपीएल में पिछले कुछ साल से तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहा है और भारत के लिए भी उसने ऐसा किया है।'' पोंटिंग ने कहा, ''उसके क्रम में बदलाव से उसे लगेगा कि लोग उसे लेकर चिंतित हैं और वह और अधिक असहज हो जाएगा।'' पोंटिंग को लगता है कि कोहली को बल्लेबाजी क्रम में तय स्थान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''मैं दूसरा तरीका अपनाऊंगा। मैं उसे कहूंगा यह तुम्हारा स्थान है, तुम्हें यहीं बल्लेबाजी करनी है, इसमें बदलाव नहीं होगा।'' पोंटिंग ने कहा कि भारतीय टीम प्रबंधन को कोहली की वापसी में बड़ी भूमिका निभानी होगी।

# राष्ट्रमंडल खेलों में सफल शुरुआत के लिए तैयार है महिला क्रिकेट

**नई दिल्ली (एजेंसी)।**

महिला क्रिकेटरों को पहली बार किसी बहु खेल प्रतियोगिता में खेलने का मौका मिलेगा और जब क्रिकेट 24 साल बाद राष्ट्रमंडल खेलों में वापसी करेगा तो यह खेल वैश्विक स्तर पर भी लोगों का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश करेगा। राष्ट्रमंडल में क्रिकेट खेलने वाले शीर्ष देश शामिल हैं और इस खेल की बर्मिंघम खेलों में वापसी होगी।

राष्ट्रमंडल खेलों में अभी तक केवल एक बार 1998 में कुआलालंपुर में क्रिकेट को शामिल किया गया था। तब पुरुष क्रिकेटरों ने इन खेलों में हिस्सा लिया था। ओलंपिक 2028 में क्रिकेट को शामिल करने की कवायद में लगे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को उम्मीद रहेगी कि बर्मिंघम में महिला क्रिकेट को अपार सफलता मिलेगी जिससे कि लॉस एंजलिस ओलंपिक में इस खेल को शामिल करने का उसका दावा मजबूत होगा।

बर्मिंघम में भारत और पाकिस्तान के मूल के लोगों की संख्या काफी अधिक है और ऐसे में 31 जुलाई को इन दोनों देशों के बीच होने वाले मुकाबले में बड़ी संख्या में दर्शकों के उपस्थित रहने की संभावना है। बर्मिंघम खेलों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी इयान रीड ने कहा ''भारत और पाकिस्तान का मैच राष्ट्रमंडल खेलों का एक आकर्षण होगा।' इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया भले एक ग्रुप में नहीं है लेकिन दर्शकों को उम्मीद रहेगी कि नॉकआउट चरण में यह दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। सेमीफाइनल और फाइनल की टिकटें पहले ही बिक चुकी हैं।

द्विपक्षीय मुकाबलों के दौरान अमूमन अपने होटल के कमरों तक सीमित रहने वाले क्रिकेटरों को राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान अन्य खेलों के खिलाड़ियों से मिलने का भी मौका मिलेगा। क्रिकेटरों को हालांकि अन्य अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ खेल गांव में नहीं रहना होगा लेकिन वह उद्घाटन समारोह का हिस्सा रहेंगे और उन्हें अपनी पसंद का खेल देखने का भी मौका मिलेगा। भारत की शीर्ष ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने हाल में कहा था, 'मैं वास्तव में राष्ट्रमंडल खेलों को लेकर काफी उत्साहित हूं। मेरे लिए यह विश्वकप में खेलने जैसा है। मैं लंबे समय से इसकी तैयारी कर रही हूं।'

आठ भागीदार टीम को चार-चार टीम के दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप ए में भारत, पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और बारबाडोस जबकि ग्रुप बी में इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका शामिल हैं। इस प्रतियोगिता से सभी टीम को अगले साल होने वाले टी20 विश्वकप से पहले अपनी स्थिति का आकलन करने का भी मौका मिलेगा। टी20 और वनडे क्रिकेट में मौजूदा विश्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया खिताब का प्रबल दावेदार है। इंग्लैंड अपने चिर प्रतिद्वंदी से थोड़ा ही पीछे है जबकि भारत, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका जैसी टीमों ने हाल के वर्षों में अच्छी प्रगति की है। भारत ने पिछले दो वर्षों में चार श्रृंखलाएं गंवाई हैं लेकिन उसने पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला जीती थी।

## वीनस विलियम्स को टोरंटो ओपन के लिए वाइल्ड कार्ड

**टोरंटो।** शीर्ष टेनिस खिलाड़ी और सात बार की ग्रैंडस्लैम चैंपियन वीनस विलियम्स को अगले महीने होने वाले नेशनल बैंक ओपन के मुख्य ड्रॉ में वाइल्ड कार्ड से प्रवेश दिया गया है। वीनस 2019 के बाद पहली बार टोरंटो में खेलेगी और अगस्त 2021 के बाद पहली बार डब्ल्यूटीए टूर में एकल में वापसी करेंगी। विश्व की पूर्व नंबर एक खिलाडी और 5 बार की विंबलडन चैंपियन आखिरी बार इस महीने की शुरुआत में विंबलडन के मिश्रित युगल में खेली थी जहां उन्होंने ब्रिटेन की जेमी मर्रे के साथ जोड़ी बनाई थी। वीनस 41 बार की डब्ल्यूटीए एकल चैम्पियन और ओलिम्पिक स्वर्ण पदक विजेता हैं। उनकी बहन सेरेना विलियम्स टोरंटो ओपन के पिछले सप्ताह जारी किए गए आधिकारिक ड्रॉ में शामिल थी।

## श्रीलंका पर पाक टीम की जीत से भारतीय टीम चौथे स्थान पर पहुंची

**दुबई ।** श्रीलंका के खिलाफ पहले ही क्रिकेट टेस्ट मैच में पाकिस्तान क्रिकेट टीम को मिली जीत का लाभ भारतीय टीम को भी मिला है। इस जीत के साथ ही जहां पाक टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंक तालिका में चौथे से तीसरे नंबर पर पहुंच गयी है। वहीं भारतीय टीम भी अंकों के आधार पर एक स्थान के लाभ के साथ ही पांचवें से चौथे स्थान पर आ गई है। श्रीलंका पर जीत के साथ ही पाक टीम ने अंकों के आधार पर भारतीय टीम के ऊपर बड़ी बढ़त भी बना ली है। श्रीलंका को इस हार से सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है और वह छठे नंबर पर खिसक गयी है।

दूसरी ओर अंकतालिका की बात करें तो दक्षिण अफ्रीका की टीम पहले जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे नंबर पर है। दक्षिण अफ्रीका के 71.43 फीसदी जबकि ऑस्ट्रेलिया के 70 फीसदी अंक हैं। पाक टीम 58.33 फीसदी अंक लेकर तीसरे नंबर पर है। भारतीय टीम 52.08 फीसदी अंक के साथ चौथे जबकि वेस्टइंडीज 50 फीसदी अंक लेकर 5वें नंबर पर है। श्रीलंका की टीम 48.15 अंक के साथ छठे नंबर पर है।

# माइकल ब्रेसवेल की शानदार हैट्रिक, न्यूजीलैंड ने आयरलैंड से टी20 सीरीज जीती

**बेलफास्ट।(एजेंसी)।**

डेन क्लीवर के नाबाद 78 रन और माइकल ब्रेसवेल की हैट्रिक की मदद से न्यूजीलैंड ने आयरलैंड को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में 88 रन से करारी शिकस्त देकर तीन मैचों की श्रृंखला में 2-0 से अजेय बढ़त बनायी। न्यूजीलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए चार विकेट पर 179 रन बनाये और फिर आयरलैंड को 13.5 ओवर में 91 रन पर आउट कर मेजबान टीम पर लगातार पांचवीं जीत दर्ज की। मलाहाइड में एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों में 3-0 से श्रृंखला जीतने के बाद न्यूजीलैंड ने सोमवार को पहले टी20 मैच में आयरलैंड को 31 रन से हराया था।

न्यूजीलैंड के पास अब शुक्रवार को तीन मैचों की टी20 श्रृंखला में भी क्लीन स्वीप करने का मौका रहेगा। क्लीवर ने 55 गेंद की अपनी पारी में पांच चौके और चार छक्के लगाये। उनके अलावा फिन एलेन ने 20 गेंदों पर 35 रन का योगदान दिया। बाद में ब्रेसवेल ने केवल पांच गेंदों पर पांच रन देकर लगातार गेंदों पर तीन विकेट लेकर आयरलैंड की पारी का अंत किया। ईश सोढ़ी ने 21 रन देकर तीन और जैकब टफी ने 20 रन देकर दो विकेट लिये। आयरलैंड के लिये मार्क एडेर ने सर्वाधिक 27 रन बनाये।

## यूएस ओपन में नोका जोकोविच के खेलने पर संशय

**न्यूयॉर्क।** 21 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता सर्बिया के नोवाक जोकोविच अमरीका की कोरोना वैक्सीन नीति के कारण इस साल की आखिरी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता यूएस ओपन से बाहर रह सकते हैं। अमेरिकी नियमों के अनुसार, देश में प्रवेश के लिये कोरोना वायरस की वैक्सीन लगवाना जरूरी है। सर्बिया के जोकोविच ने वैक्सीन नहीं लगवाई है और वह अपने वैक्सीन-विरोधी मत के कारण इस साल हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन से भी बाहर रहे थे। अब यूएस ओपन के आयोजकों ने कहा है कि वह अमरीकी सरकार के कोविड-19 वैक्सीन नियमों का सम्मान करते हैं। यूएस ओपन ने बुधवार को जारी बयान में कहा, 'आईटीएफ ग्रैंड स्लैम नियम पुस्तिका के अनुसार, सभी पात्र खिलाड़ी इवेंट के पहले सोमवार से 42 दिन पहले रैंकिंग के आधार पर स्वचालित रूप से पुरुष और महिला एकल के मुख्य ड्रा क्षेत्रों में प्रवेश कर जाते हैं। यूएस ओपन में खिलाड़ियों के लिए टीकाकरण अनिवार्य नहीं है, लेकिन आयोजन गैर-अमेरिकी नागरिकों के लिए देश में यात्रा के संबंध में अमरीकी सरकार के नियमों का सम्मान करेगा।' यूनाइटेड स्टेट्स टेनिस एसोसिएशन (यूएसटीए) ने बुधवार को पुरुष और महिला एकल प्रवेश सूची जारी की। जोकोविच का नाम प्रवेश सूची में था, लेकिन फिलहाल यह सुनिश्चित नहीं है कि उन्हें खेलने की अनुमति दी जाएगी या नहीं। न्यूयॉर्क में टूर्नामेंट 29 अगस्त से 11 सितंबर के बीच खेला जाएगा।

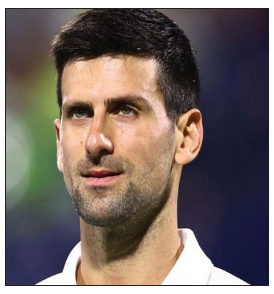

# इंग्लैंड को वनडे में स्टोक्स की कमी खलेगी : बटलर

**चेस्टर ली स्ट्रीट (एजेंसी)।**

इंग्लैंड की सीमित ओवरों की टीम के कप्तान जोस बटलर ने बेन स्टोक्स को पीढ़ियों में पैदा होने वाला एक खिलाड़ी करार दिया जबकि उनके पूर्ववर्ती इयोन मोर्गन ने इस ऑलराउंडर को सच्चा नेतृत्वकर्ता बताया। इंग्लैंड की 2019 की विश्व कप जीत के नायक स्टोक्स ने वनडे से संन्यास लेने की घोषणा कर दी है जिससे क्रिकेट जगत सकते में है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डरहम में अपने घरेलू मैदान पर अपना आखिरी वनडे खेला जिसमें वह केवल पांच रन बना पाये। इंग्लैंड इस मैच में 62 रन से हार गया था। बटलर ने मैच के बाद कहा, ''बेन की तरह खेलने वाले खिलाड़ी पीढ़ियों में एक पैदा होता है। इसलिए हमारे (वनडे टीम) लिये उनके बिना अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चुनौती होगी।'' उन्होंने कहा, ''हमें उनकी कमी खलेगी और इंग्लैंड के प्रशंसक के तौर पर यह कड़वा घूंट पीने जैसा है। यह वास्तव में दुखद है कि इस प्रारूप में हमें बेन की सेवाएं नहीं मिलेंगी लेकिन वनडे क्रिकेट के नुकसान का इंग्लैंड को निश्चित तौर पर टेस्ट क्रिकेट में फायदा मिलेगा।'' स्टोक्स टी20 में खेलते रहेंगे और टेस्ट टीम की अगुवाई करेंगे। पूर्व कप्तान मोर्गन भी स्टोक्स के वनडे से संन्यास लेने से दुखी हैं।

## स्पेन को हराकर इंग्लैंड यूरो 2022 के सेमीफाइनल में पहुंचा

**ब्राइटन।** जॉर्जिया स्टैनवे के अतिरिक्त समय में किए गए गोल की बदौलत इंग्लैंड ने स्पेन को 2-1 से हराकर महिला यूरोपीय चैंपियनशिप (यूरो 2022) के सेमीफाइनल में जगह बनाई। दोनों टीम 90 मिनट तक 1-1 से बराबरी पर थी लेकिन अतिरिक्त समय में स्टैनवे के पेनल्टी क्षेत्र के बाहर से लगाए गए करारे शॉट ने स्पेन की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। स्पेन को एस्थर गोंजालेज ने 54वें मिनट में बढ़त दिलायी थी जबकि इंग्लैंड के लिये स्थानापन्न इल्ला टूने ने 84वें मिनट में बराबरी का गोल किया। इंग्लैंड ने छठी बार सेमीफाइनल में जगह बनायी है जहां उसका सामना स्वीडन या बेल्जियम से होगा।

# विश्व खिताब पर नीरज चोपड़ा की नजर, विश्व चैंपियनशिप में सूखा समाप्त करना चाहेंगे

**यूजीन (एजेंसी)।**

टोक्यो ओलंपिक 2020 में भारत के लिए पहला ओलंपिक स्वर्ण जीतने वाले नीरज चोपड़ा गुरुवार (भारत में शुक्रवार सुबह) को विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भी भारत का सूखा समाप्त करना चाहेंगे। भारत ने विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में एकलौता पदक 2003 में जीता था, जब अंजू बॉबी जॉर्ज ने लंबी कूद प्रतियोगिता में कांस्य पदक प्राप्त किया था। अब शीर्ष जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 19 साल बाद भारत के पदक की उम्मीद बनकर प्रतियोगिता में उतरेंगे।

नीरज अपने स्वर्णिम करियर में ओलंपिक, एशियाई खेल, अंडर-20 विश्व, राष्ट्रमंडल खेल और डायमंड लीग में पदक जीत चुके हैं। विश्व चैंपियनशिप एकलौता महत्वपूर्ण आयोजन है जहां उन्होंने अब तक पदक नहीं जीता। इस बार उनसे यह उपलब्धि भी हासिल करने की उम्मीद की जा रही है। पिछले महीने अपना 2022 सत्र शुरू करने वाले नीरज तीन प्रतियोगिताओं में दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं।

उन्होंने इस सत्र की शुरुआत फिनलैंड के पावो नुर्मी खेलों में राष्ट्रीय रिकॉड तोड़ते हुए रजत पदक जीतकर की थी। इसके बाद उन्होंने कुओरटाने खेलों में स्वर्ण जीता, जबकि स्टॉकहोम डायमंड लीग में उन्होंने दोबारा राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ते हुए 89.94 मीटर के थ्रो के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। दो क्वालीफाइंग समूहों में कुल 32 भाला फेंक खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। 12 सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी शनिवार के फाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगे।

फाइनल के लिए स्वतः योग्यता अंक 83.50 मीटर है और चोपड़ा बिना किसी झंझट के इसे हासिल करने की कोशिश करेंगे। नीरज का सामना ग्रेनाडा के मौजूदा चैंपियन एंडरसन पीटर्स से होगा, जिन्होंने इस साल तीन बार 90 मीटर का आंकड़ा पार किया है। फिनलैंड के ओलिवर हेलैंडर, टोक्यो ओलंपिक के रजत पदक विजेता जैकब वाडलेज (चेक गणराज्य), जर्मनी के जूलियन वेबर और लंदन ओलंपिक चैंपियन केशोर्न वालकॉट अन्य स्टार थ्रोअर होंगे जो मौजूदा ओलंपिक चैंपियन को कड़ी टक्कर देंगे।

नीरज दूसरी बार विश्व चैंपियनशिप में हिस्सा लेंगे। लंदन में 2017 संस्करण में 24 वर्षीय फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में विफल रहे थे। वह कोहनी की सर्जरी के कारण 2019 में हिस्सा नहीं ले पाए थे। नीरज के अलावा एक अन्य भारतीय युवा भाला फेंक खिलाड़ी रोहित यादव भी प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

# शिफ्ट में काम करने वाले पुरुष न रहें इस खतरे से अनजान

शिफ्ट में काम करने वाले लोगों खासकर पुरुषों को सामान्य की तुलना में सेहत से जुड़े एक बड़े खतरे का रिस्क ज्यादा होता है। हाल में हुए शोध की मानें तो शिफ्ट में काम करने वाले पुरुषों को टाइप 2 डायबिटीज का रिस्क अधिक होता है। साथ ही जो लोग एक निर्धारित पाली की जगह बदलती हुई शिफ्ट में काम करते हैं उन्हें यह खतरा और भी ज्यादा होता है।

न्यूयॉर्क के लेनोक्स अस्पताल के क्लीनिकल मनोविज्ञानी डॉ. एलेन मेनेविट्ज कहते हैं कि यह शोध ज्यादा चौंकाने वाला नहीं है। डॉक्टर काफी समय से महसूस कर रहे थे कि अलग-अलग पालियों में काम करने से शरीर के रसायन प्रभावित होते हैं और इससे आंतों और दिल की बीमारियां हो सकती हैं।

यहां तक कि इससे कैंसर की आशंका भी रहती है। अब टाइप-2 मधुमेह को भी इस सूची में जोड़ा जा सकता है।

विज्ञानियों ने निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए 12 अंतरराष्ट्रीय शोधों का सहारा लिया जिनमें लगभग सवा दो लाख लोग शामिल थे।

मुख्य शोधकर्ता चीन के वुहान में हुआजोंग यूनिवर्सिटी के जुआन ली हैं, उनका कहना है कि इसमें कर्मचारियों के कई पहलुओं को शामिल किया गया है। जैसे पाली कब से कब तक है, बाडी मास इंडेक्स (वजन और लंबाई की गणना), परिवार में किसी को मधुमेह था या नहीं और शारीरिक सक्रियता।

हालांकि नतीजे सीधे-सीधे कुछ नहीं कहते पर पाया गया कि शिफ्ट में काम करने वाले को मधुमेह होने की संभावना नौ फीसदी अधिक है। अगर कर्मी पुरुष है तो यह आंकड़ा 37 फीसदी हो सकता है।

हालांकि पुरुष मधुमेह की चपेट में क्यों ज्यादा आते हैं इसका कोई साफ कारण नहीं है लेकिन हारमोन टेस्टोस्टेरोन इसमें अहम भूमिका निभाता है।

साथ ही रोटेटिंग शिफ्ट में काम करने वाले लोगों को टाइप 2 डायबिटीज होने का खतरा 42 फीसदी ज्यादा होता है। टीम के अनुसार काम का समय बार-बार बदलने से शरीर के लिए सोने और जागने का समय तय करना मुश्किल हो जाता है।

साथ ही कम सोने से शरीर में इंसुलिन की कमी हो जाती है जिससे डायबिटीज होती है। पहले के अध्ययन में मोटापे को मधुमेह का कारण बताया गया था। टीम का कहना है कि शिफ्ट में काम करने से कोलेस्ट्रोल और रक्तचाप बढ़ते हैं। विज्ञानियों के अनुसार समय-समय पर मधुमेह का टेस्ट कराते रहना ही इस समस्या का निदान है।

ज्यादातर अधेड़ों या बुजुर्गों को होती है। 95 फीसदी मधुमेह रोगी टाइप-2 से भी पीड़ित होते हैं। इसमें शरीर में ज्यादा ग्लूकोज या शुगर बनने लगता है। टाइप टू में शरीर इंसुलिन का इस्तेमाल नहीं कर पाता।

नतीजा मोटापा बढ़ने से होता है। ग्लूकोज सेल तोड़ने के लिए शरीर को ज्यादा इंसुलिन की आवश्यकता होती है। धीरे-धीरे पैंक्रियाज इंसुलिन तैयार करने की क्षमता खो देते हैं। नतीजा कई अन्य रोगों की शुरुआत।

### अलग-अलग पालियों में काम करने का असर

सोने और जागने का समय तय करना हो जाता है मुश्किल
शरीर के रसायन होतेहैं प्रभावित
आंतों और दिल की बीमारियां होने का खतरा
कैंसर के अलावा टाइप-2 डायबिटीज की चपेट में भी आ सकते हैं।

# चाय में छिपा खूबसूरती का राज

चाय का सेवन कुछ लोग थकान दूर करने तो कुछ आदतन करते हैं, लेकिन चाय की एक प्याली हमारे जीवन के अलग-अलग आयामों के लिए लाभदायक हो सकती है। वेबसाइट फीमेलफर्स्ट डॉट को डॉट यूके' के मुताबिक, हाल ही में किए गए एक वैज्ञानिक शोध में यह बात सामने आई है कि चाय मानसिक, भावनात्मक, सामाजिक और शारीरिक दृष्टिकोण से लाभदाई होती है। वैज्ञानिकों ने हर किस्म के चाय से जुड़े स्वास्थ्य के सभी फायदे का परीक्षण किया, जिसमें पाया गया कि यह न सिर्फ शारीरिक सौंदर्य बल्कि वजन कम करने और त्वचा में नमी बरकरार रखने के लिए भी लाभदायी होती है। टी एडवायजरी पैनल (टीएपी) के विशेषज्ञों ने चाय से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध कराई हैं। इनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

त्वचा को नम बनाना - शरीर के अंगों, त्वचा और कोशिका के लिए पानी आवश्यक होता है। नए अध्ययन में पाया गया है कि प्रतिदिन छह कप चाय का सेवन करने से इनकी यह जरुरत पूरी हो जाती है।

स्वस्थ त्वचा में चाय की भूमिका - स्वस्थ त्वचा यानी नम त्वचा। पर्याप्त तरल पदार्थ लेना, जिसमें सभी प्रकार के चाय शामिल हो सकती है, शरीर में तरलता बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

क्योंकि खासतौर से गर्मी के दिनों में शरीर से पर्याप्त मात्रा में पानी निकल जाता है। पर्याप्त पानी से त्वचा अच्छे हालात में बनी रहती है।

चाय और वजन घटाना -चाय का सेवन करने से कुछ समय तक वजन ज्यादा नहीं बढ़ता। एक सप्ताह से ज्यादा चाय पीने से चाय न पीने वालों की अपेक्षा वजन कम बढ़ता है। काली चाय, कम मलाई वाले दूध की चाय और बिना चीनी वाली चाय सहित सभी चाय में अन्य चर्चित पेय पदार्थो की अपेक्षा कम कैलोरी होती है।

चाय और खूबसूरती - चाय में हमारी त्वचा की खूबसूरती के लिए पर्याप्त पानी मौजूद होता है और यह वजन घटाने में मदद करता है। एक टी बैग में भी खूबसूरती के राज छिपे होते हैं। टी बैग को गुनगुने पानी में डाल कर फिर इसे बंद आंखों के ऊपर रखने से आंखों को थकान से राहत मिलती है।

# अवसाद बढ़ा सकता है अत्यधिक छोटा या लंबा होना

सेना में अधिक शारीरिक लंबाई और कम लंबाई वाले लोगों में औसत लंबाई वाले अपने सहयोगियों की अपेक्षा अवसाद का खतरा ज्यादा होता है। एक अध्ययन में यह खुलासा हुआ है। शोधकर्ताओं का कहना है कि औसत से अधिक लंबे या कम लंबे पुरुषों में अवसाद की समस्या का खतरा ज्यादा होता है। कैलिफोर्निया के कैंप पेंडल्टन स्थित नेवेल हॉस्पीटल की वेलेरी क्रुपनिक और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया की मारिया केरकासोवा ने एक मानसिक स्वास्थ्य क्लिनिक में सेना के ड्यूटी पर तैनात 196 पुरुषों में अवसाद संबंधी बातों का अध्ययन किया। शोधकर्ताओं का अनुमान था कि औसत से कम लंबाई वाले सैनिकों में अवसाद का खतरा ज्यादा हो सकता है, क्योंकि सेना में शारीरिक कौशल ज्यादा महत्वपूर्ण होता है। इसके उलट शोधकर्ताओं ने पाया कि अवसाद की समस्या औसत से अधिक लंबे पुरुषों में भी कहीं ज्यादा होती है, क्योंकि कई बार वे अपनी उम्मीदों पर खरे नहीं उतरते। क्रुपनिक ने कहा, बच्चों के शारीरिक कद को ध्यान में रखकर हमारे यहां विशेष कार्यक्रम नहीं चलाए जाते।

# बारिश में जुकाम से कैसे बचें

इस मौसम में सर्दी-खाँसी आम बात है। तुलसी और अदरक इस मौसम में लाभदायक होते हैं। तुलसी में काफी उपचारी गुण समाए होते हैं, जो जुकाम और फ्लू आदि से बचाव में कारगर हैं। तुलसी की पत्तियाँ चबाने से कोल्ड और फ्लू दूर रहता है। इसी तरह तुलसी और बांसा की पत्तियाँ (प्रत्येक 5 ग्राम) पीसकर पानी में मिलाएँ और काढ़ा तैयार कर लें। इससे खाँसी और दमा में काफी फायदा मिलेगा। अलसी के बीज (लिनसीड) भी खाँसी के इलाज में काफी कारगर होते हैं, क्योंकि ये बलगम बाहर निकालने में मदद करते हैं। इनका काढ़ा बनाकर पी लें या फिर बीजों को पीसकर चाट लें। जल्द राहत के लिए 10 ग्राम अलसी के पिसे बीजों को मुलैठी के चूर्ण में मिलाएँ और 200 मिली पानी में इन्हें पानी के आधा रह जाने तक उबालें। इसमें 20 ग्राम शुद्ध शहद मिलाएँ और गरम-गरम पिएँ। इससे शरीर का बलगम बाहर निकलता है और खाँसी में राहत मिलती है। अदरक की चाय इस मौसम में स्वाद और सेहत दोनों की दृष्टि से अच्छी है।

# गंजेपन से हमेशा के लिए छुटकारा दिलाएगा यह उपाय

सिर पर बाल झड़ गए हैं या गंजेपन ने आपको समय से पहले ही अंकल बना दिया हो निराश न हों, इससे हमेशा के लिए छुटकारा अब और भी सुलभ है।

वैज्ञानिकों ने सीने के बाल को सिर पर ट्रांस्पलांट कर गंजेपन के बावजूद भी बाल उगाने में सफलता प्राप्त की है। इस विधि को उन्होंने फॉलिक्यूलर युनिट एक्सट्रैक्शन का नाम दिया है।

### क्यों है अधिक असरदार

अब तक बालों के ट्रांसप्लांट के दौरान सिर के पिछले हिस्से से, जहां बाल अधिक होते हैं, बाल निकालकर सिर के उन हिस्सों पर लगाया जाता है जहां बाल झड़ चुके हों।

यह प्रक्रिया दर्दनाक तो होती ही है, साथ ही इसकी सफलता की गुंजाइश भी पूरी नहीं होती है। अक्सर गंजेपन के दौरान लोगों के सिर के पिछले हिस्से में भी बाल या तो कम होते हैं या फिर कमजोर, इसलिए जरूरी नहीं कि इनका ट्रांसप्लांट पूरी तरह सफल ही हो।

ऐसे में सीने के बालों को सिर पर लगाने की यह विधि अपेक्षाकृत अधिक असरदार है।

### कैसे होगा ट्रांसप्लांट

इस प्रक्रिया के अंतर्गत सर्जन मरीज के सीने पर शेव कर बाल निकाल लेता है। इफर इनमें से सेहत फॉलिकल को मरीज के सिर के गंजे भाग पर ट्रांसप्लांट करता है।

सामान्यतः एक बार सिर पर इस विधि से बाल ट्रांस्पलांट करने का खर्च 10,000 पाउंड यानी 10,20,268 रुपए आता है।

# रात में जल्दी खाना खाने के ये है फायदे

रात में भोजन कैसा हो, सेहत के लिए यह जितना जरूरी है, भोजन कब हो जैसा सवाल भी उससे कम जरूरी नहीं है। आमतौर पर डॉक्टरों का मानना है कि रात के भोजन और सोने के बीच कम से कम 2 घंटे का अंतर सेहतमंद जीवन के लिए बहुत जरूरी है। ऐसे में अगर आप अब भी देर रात खाना खाते हैं तो जल्दी भोजन करने के ये 5 फायदे जानने के बाद आप भी जल्दी खाना शुरू कर देंगे।

### वजन पर नियंत्रण

अगर आप देर रात खाना खाएंगे तो सुबह का नाश्ता इससे प्रभावित होगा। कई शोधों में यह माना जा चुका है कि सुबह का नाश्ता ठीक से न करने के कारण लोग दिन भर ओवरडाइट करते हैं।

रात के भोजन का आपकी बॉडी क्लॉक व्यवस्थित रखने में बड़ा रोल है जिससे और ओवरडाइट न करें और मोटापे के शिकार न हो सकें।

### गैस्ट्रिक संबंधी समस्याओं से बचाव

अगर आपको गैस्ट्रिक संबंधी समस्याएं अधिक होती हैं तो आप रात में जल्दी खाने की आदत डाल ही लें।

दरअसल, खाने के ठीक बाद सोने से भोजन का पाचन अच्छी तरह नहीं हो पाता है जिससे हार्टबर्न जैसी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

### अच्छी नींद के लिए

रात में जल्दी और सेहतमंद भोजन करने से नींद न आने की समस्या को कुछ हद तक कम किया जा सकता है। यह बॉडी क्लॉक को व्यवस्थित रखने में मददगार है जिससे नींद न आने की दिक्कत दूर होती है।

### ऊर्जा बरकरार रहती है

देर रात तक ढेर सारा भोजन करने से आप नाश्ता अच्छी तरह नहीं कर पाते जिससे दिन भर आपको ऊर्जा की कमी महसूस होती है। रात में जल्दी खाने से अगले दिन सुबह का नाश्ता भरपूर होता है जिससे ऊर्जा बनी रहती है।

### रोगों से बचाव

कई शोधों में माना जा चुका है कि रात में जल्दी भोजन करने वाले लोगों को हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे दिल के रोगों का रिस्क कम होता है।

## भारत की दो टूक- श्रीलंका राष्ट्रपति चुनाव में कोई हस्तक्षेप नहीं

**कोलंबो:** भारत ने श्रीलंका में राष्ट्रपति चुनाव में द्विपीय देश के नेताओं को राजनीतिक स्तर पर प्रभावित करने संबंधी खबरों को 'निराधार' और 'कोरी अटकलें' करार देते हुए बुधवार को साफ शब्दों में कहा कि वह किसी अन्य देश के आंतरिक मामलों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप नहीं करता है। कार्यवाहक राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को संसद द्वारा श्रीलंका का नया राष्ट्रपति चुना गया। इससे पहले श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति एवं विक्रमसिंघे के पूर्ववर्ती गोटबाया राजपक्षे देश छोड़कर चले गए और अर्थव्यवस्था के कुप्रबंधन को लेकर उनकी सरकार के खिलाफ जनता के विद्रोह के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था। कोलंबो स्थित भारतीय उच्चायोग ने कई ट्वीट करके कहा, ''हमने श्रीलंका की संसद में राष्ट्रपति चुनाव के संबंध में श्रीलंकाई नेताओं को प्रभावित करने के भारत के राजनीतिक स्तर पर प्रयासों के बारे में मीडिया में निराधार और कोरी अटकलों वाली खबरें देखी हैं।'' उच्चायोग ने ट्वीट में कहा, ''(हम) मीडिया की इन खबरों को पूरी तरह से झूठा करार दते हैं। वे स्पष्ट रूप से किसी की कल्पना पर आधारित हैं।'' उच्चायोग ने दोहराया कि भारत लोकतांत्रिक साधनों और मूल्यों, स्थापित संस्थानों के साथ-साथ संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार श्रीलंका के लोगों की आकांक्षाओं की पूर्ति का समर्थन करता है, 'और किसी अन्य देश के आंतरिक मामलों और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप नहीं करता है।''

## अमेरिकी सीनेट समिति ने भारत के साथ रक्षा साझेदारी मजबूत करने पर दिया जोर

**वाशिंगटन।** अमेरिकी सीनेट की एक अहम समिति ने भारत के साथ रक्षा साझेदारी को मजबूत करने और खुफिया जानकारी एकत्रित करने, ड्रोन तथा चौथी और पांचवीं पीढ़ी के विमानों के क्षेत्र में वृहद सहयोग के जरिए इसे नए स्तर तक ले जाने का मांग की है। सीनेट की शक्तिशाली सशस्त्र सेवा समिति ने यह बयान ऐसे वक्त में दिया है जब एक सप्ताह पहले प्रतिनिधि सभा ने राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून के तौर पर एक विधायी संशोधन पारित किया , जिसमें 'काउंटरिंग अमेरिकाज एडवर्सरीज थ्रू सैंक्शंस एक्ट' के तहत दंडात्मक प्रतिबंधों से भारत को छूट दी गयी है। एनडीएए अमेरिका का वार्षिक बजट है। सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति ने वित्त वर्ष 2023 के लिए राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकार कानून का अपना संस्करण पारित किया। इसमें ''भारत के साथ प्रमुख रक्षा साझेदारी बढ़ाने' पर जोर दिया गया है, जिसमें खुफिया जानकारियां एकत्रित करने, ड्रोनों और चौथी तथा पांचवीं पीढ़ी के विमानों के क्षेत्रों में वृहद सहयोग शामिल है। साथ ही इसमें डिपो स्तर पर देखरेख, संयुक्त अनुसंधान एवं विकास, 5जी और 'ओपन रेडियो एक्सेस नेटवर्क्स' (आरएएन), साइबर और सर्द मौसम में रक्षा क्षमता बढ़ाने में सहयोग भी शामिल है।

## भारत से लगी LAC के पास नया राजमार्ग बनाने की फिराक में चीन: Report

**बीजिंग।** सीमा विवाद पर चल रही वार्ताओं के बीच चीन की भारत के खिलाफ नई साजिश का खुलासा हुआ है ।एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चीन की योजना भारत से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा के पास एक नया राजमार्ग बनाने की है। चीन के इस कदम का उद्देश्य अपनी सामरिक स्थिति को मजबूत करना और अपनी शक्ति बढ़ाना है। हांगकांग से प्रकाशित होने वाले 'साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट' की खबर के अनुसार, तिब्बत की ल्हुंज काउंटी से शिंजियांग क्षेत्र में काशगर स्थित माझा तक जाने वाला यह राजमार्ग नये राष्ट्रीय कार्यक्रम में प्रस्तावित 345 निर्माण योजनाओं में शामिल है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य 2035 तक कुल 4,61,000 किमी लंबा राजमार्ग और मोटरवे निर्मित करना है। दरअसल, चीन बुनियादी ढांचे में निवेश के जरिये अपनी अर्थव्यवस्था में नयी जान फूंकना चाहता है। खबरों के अनुसार, ल्हुंज काउंटी, अरूणाचल प्रदेश का हिस्सा है। वहीं, चीन इसके दक्षिण तिब्बत का हिस्सा होने का दावा करता है। खबर में कहा गया है कि पिछले हफ्ते जारी की गई योजना के तहत, जी695 नाम से जाने जा रहे इस राजमार्ग के कोना काउंटी से होकर गुजरने की उम्मीद है-जो एलएसी के ठीक उत्तर में पड़ता है।

# श्रीलंका की बदहाली की वजह चीन:CIA चीफ बोले- कर्ज के जाल में फंसाने की चीनी साजिश का शिकार बना श्रीलंका

**वाशिंगटन।** अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के प्रमुख बिल बर्न्स ने श्रीलंका की मौजूदा आर्थिक स्थिति के लिए कर्ज जाल में फंसाने की चीनी कूटनीति को जिम्मेदार ठहराया है। उन्होंने कहा है कि श्रीलंका चीन के दांव को समझ नहीं पाया और उसके जाल में फंस गया।

वॉशिंगटन स्थित एस्पेन सिक्योरिटी फोरम को संबोधित करते हुए CIA प्रमुख बर्न्स ने कहा- श्रीलंका की आर्थिक तबाही का बड़ा कारण चीन का कर्ज के रूप में बड़ा निवेश है। श्रीलंका की इस गलती को अन्य देशों को चेतावनी के रूप में लेना चाहिए। इससे सबक लेना चाहिए।

**रानिल के राष्ट्रपति बनते ही जनता फिर सड़कों पर**

आर्थिक और सियासी संकट के बीच श्रीलंका की पार्लियामेंट ने 20 जुलाई को पूर्व प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे को नया राष्ट्रपति चुना। बावजूद इसके सड़कों पर अब भी विरोध प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि राजपक्षे परिवार ने अपने मोहरे के रूप में विक्रमसिंघे को गद्दी पर बैठाया है। इससे हालात नहीं बदलने वाले हैं। उन्होंने कहा कि अपनी गद्दी को बचाने के लिए राजपक्षे कुनबे ने विक्रमसिंघे के साथ डील की है। ये लोगों के साथ धोखा है।

**नहीं सुधर रहे देश के हालात**

गॉल फेस कोलंबो के प्रोफेसर एमजी थाराका का कहना है कि पिछले तीन महीनों के दौरान सरकार में शामिल नेताओं ने हालात सुधारने के लिए कई बातें की ओर दावे किए, लेकिन जमीनी हालात सुधरे नहीं हैं।

अब लोगों का राजपक्षे परिवार और उनके द्वारा बैठाए गए किसी भी नेता पर कोई भरोसा नहीं है। प्रदर्शनकारियों का मानना है कि रानिल विक्रमसिंघे को श्रीलंका के राष्ट्रपति पद पर बैठकर राजपक्षे परिवार खुद को आरोपों से बचाना चाहता है।

**दो माह बाद पहली बार दिखे पूर्व PM महिंदा**

सदन में नए राष्ट्रपति के लिए वोटिंग के दौरान बुधवार को दो महीने के बाद पहली बार पूर्व प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे नजर आए। महिंदा इतने समय तक किसी गुप्त ठिकाने पर थे।

पूर्व राष्ट्रपति गोटबाया के सिंगापुर भागने के बाद कयास लगाए जा रहे थे कि महिंदा भी श्रीलंका से भाग सकते हैं। राजपक्षे कुनबे के चमल और नमल भी वोटिंग के लिए संसद में पहुंचे।

# चीन में बैंकों के सामने टैंक तैनात: कस्टमर्स के अकाउंट फ्रीज, बैंक जाने पर रोक

**बीजिंग।** चीन में बड़ा बैंकिंग संकट खड़ा हो गया है। हालात इतने बदतर हैं कि कई बैंकों ने अपने ग्राहकों के पैसे निकालने पर रोक लगा दी है। ऐसे में हजारों लोग सड़कों पर अप्रैल से प्रदर्शन कर रहे हैं। कई जगहों पर प्रदर्शन हिंसक हो गया है। इसके देखते हुए अब बैंक के आस-पास टैंक तैनात कर दिए गए हैं।

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है। ये वीडियो हेनान प्रांत का है। यहां कई टैंक कतार में खड़े दिखाई दे रहे हैं। एडमिनिस्ट्रेशन ने लोगों को बैंक के अंदर नहीं जाने देने के लिए टैंक तैनात करने का आदेश दिया है।

**क्या है ये मामला**

दरअसल, अप्रैल में साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट में एक आर्टिकल पब्लिश हुआ था। इसमें चीनी बैंकों में हुए घोटलों के बारे में बताया गया था। ऐसा दावा किया गया कि 40 बिलियन युआन, यानी करीब (6 बिलियन अमेरिकी डॉलर) चीन के बैंकिंग सिस्टम से गायब हो गए। इसके बाद हेनान और अनहुई प्रांत में बैंको ने लोगों को बैंक अकाउंट्स एक्सेस करने से रोक दिया। इसके लिए लोगों को 'सिस्टम अपग्रेड' का हवाला दिया गया। चीन में लोग अपने अकाउंट्स से पैसे नहीं निकाल पा रहे थे। इससे गुस्साए लोगों ने बैंकों के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिए। उनका कहना है कि बैंकों ने बिना किसी कारण उनकी जमा राशि को फ्रीज कर दिया है।

चीन में लोग अपने अकाउंट्स से पैसे नहीं निकाल पा रहे थे। इससे गुस्साए लोगों ने बैंकों के बाहर प्रदर्शन शुरू कर दिए। उनका कहना है कि बैंकों ने बिना किसी कारण उनकी जमा राशि को फ्रीज कर दिया है।

**4 बैंक सबसे ज्यादा प्रभावित**

इस पूरे मामले में न्यू ओरिएंटल कंट्री बैंक ऑफ कैफेंग, जिचेंग हुआंगहुई कम्युनिटी बैंक, शांगकाई हुइमिन काउंटी बैंक और युजौ शिन मिन शेंग विलेज बैंक पर सबसे ज्यादा असर पड़ा है। लोग यहां 3 महीनों से चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उन्हें बैंक के अंदर भी नहीं जाने दिया जा रहा है।

## रानिल विक्रमसिंघे ने ली शपथ, उठाएंगे श्रीलंका को आर्थिक संकट से उबारने का बीड़ा

**कोलंबो।** श्रीलंका के शीर्ष राजनेता रानिल विक्रमसिंघे ने गुरुवार को देश के आठवें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली। उन्हें संसद ने नया राष्ट्रपति चुना था। विक्रमसिंघे इससे पहले लंबे समय तक देश के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। 73 वर्षीय विक्रमसिंघे को श्रीलंका के प्रधान न्यायाधीश जयंत जयसूर्या ने राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई। श्रीलंका भयावह आर्थिक संकट से जूझ रहा है। विक्रमसिंघे के सामने सबसे बड़ी चुनौती और अग्नि परीक्षा देश को इस संकट से निकाल कर फिर पटरी पर लाना है।

गोतबाया राजपक्षे के देश छोड़कर भागने और फिर इस्तीफा देने के बाद विक्रमसिंघे को कार्यवाहक राष्ट्रपति बनाया गया था। देश के संविधान के अनुसार संसद द्वारा चुने जाने वाले वे पहले श्रीलंकाई राष्ट्रपति हैं। उनसे पहले स्वर्गीय डी बी विजेतुंगा मई 1993 में तत्कालीन राष्ट्रपति प्रेमदासा के निधन के बाद निर्विरोध निर्वाचित हुए थे। 225 सदस्यीय श्रीलंका की संसद ने कल विक्रमसिंघे नया राष्ट्रपति चुना था। उन्हें 134 वोट मिले, जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वी और असंतुष्ट सत्तारूढ़ दल के नेता दुल्लास अल्हाप्परुमा को 82 वोट मिले। त्रिकोणीय मुकाबले में वामपंथी जनता विमुक्ति पेरामुना के नेता अनुरा कुमारा दिसानायके को सिर्फ तीन वोट मिले थे।

**जल्द बनाएंगे मंत्रिमंडल**

विक्रमसिंघे के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती श्रीलंका को उसके आर्थिक संकट से बाहर निकालने और महीनों के बड़े विरोध के बाद कानून व्यवस्था बहाल करने की है। डेली मिरर अखबार के अनुसार राष्ट्रपति विक्रमसिंघे अगले कुछ दिनों में 20-25 सदस्यों का एक मंत्रिमंडल बनाएंगे।

## यूएस पहुंचीं यूक्रेन की फर्स्ट लेडी ओलेना जेलेंस्का: अमेरिकी सांसदों से मांगा सपोर्ट, कहा- रूसी आतंक को रोकने में हमारी मदद करें

**वाशिंगटन।** यूक्रेन में रूसी सेना का तांडव जारी है। यूक्रेन के शहर खंडहर में तब्दील हो गए हैं। जंग की शुरूआत से कई देश यूक्रेन की मदद कर रहे हैं। यूक्रेनी सेना के हथियार दे रहे हैं। इसी बीच यूक्रेन की फर्स्ट लेडी और यूक्रेन राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की पत्नी ओलेना जेलेंस्का ने अमेरिका से कदम उठाने और इस नरसंहार को रोकने की भी अपील की है।

US कैपिटल में अमेरिकी सांसदों को संबोधित करते हुए ओलेना जेलेंस्का ने कहा- हम नहीं चाहते कि हमले हों। जब हमारी दुनिया जंग से तबाह हो रही है। लोगों की उम्मीदें पूरी तरह से टूट रही है। रूसी हमले के बाद से हजारों लोगों की दुनिया तबाह हुई है। रूस हम पर मिसाइलें दाग रहा है। उसका मुकाबला करने के लिए हमें एयर डिफेंस सिस्टम चाहिए। मैं उन हथियारों की मांग कर रही हूं जिनका इस्तेमाल किसी दूसरे देश की जमीन पर जंग छेड़ने के लिए नहीं किया जाएगा। बल्कि इनका इस्तेमाल अपने अधिकारों की रक्षा के लिए किया जाएगा। इस आतंक को रोकने में हमारी मदद करें।

**ये रूस का 'हंगर गेम्स' है**

अमेरिकी संसद में जेलेंस्का ने उन बच्चों के वीडियो दिखाए जो या तो घायल हो गए हैं या मारे गए हैं। उन्होंने कहा- ऐसे कितने बच्चे यूक्रेन में हैं? इस तरह के कितने परिवार अभी भी जंग में बर्बाद हो सकते हैं? ये रूस का 'हंगर गेम्स' है। उन्होंने इस शब्द का इस्तेमाल उपन्यासों और फिल्मों की सीरीज के संदर्भ में किया, जिसमें लोग एक-दूसरे को मार डालते हैं।

## 199 देशों की लिस्ट में पाकिस्तानी पासपोर्ट की रैंकिंग सबसे खराब

**इस्लामाबाद।** हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2022 की रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया भर में पाकिस्तानी पासपोर्ट की रैंकिंग सबसे खराब बताई गई है। इस रैंकिंग में पाकिस्तान चौथे नंबर पर है। ये रैंकिंग इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डेटा पर आधारित है। एसोसिएशन दुनिया के सबसे बड़े यात्रा जानकारी के डेटाबेस को बनाए रखता है। पाकिस्तान के पासपोर्ट की रैंकिंग में कोई सुधार नहीं हुआ है।

दुनिया के सिर्फ 32 देश ऐसे हैं जहां पाकिस्तानी बिना वीजा या फिर वीजा ऑन अराइवल के जरिए यात्रा कर सकते हैं। ये रैंकिंग इंटरनेशन एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के डेटा पर आधारित है। एसोसिएशन दुनिया के सबसे बड़े यात्रा जानकारी के डेटाबेस को बनाए रखता है। रैंकिंग में पाकिस्तान से नीचे सिर्फ इराक, अफगानिस्तान और सीरिया हैं। 199 देशों की रैंकिंग में पाकिस्तान 109वें नंबर पर है। सीरिया 110वें, इराक 111वें और अफगानिस्तान 112वें रैंक पर है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स 2022 के मुताबिक भारत की रैंकिंग 87वें नंबर पर है। भारत के लोग 60 देशों में बिना वीजा या वीज ऑन अराइवल के जरिए यात्रा कर सकते हैं। मौरीटानिया और तजाकिस्तान भी 87वें नंबर पर हैं। पासपोर्ट रैंकिंग में एशिया के बाकी देशों की बात करें तो चीन 69वें नंबर पर है। चीनी पासपोर्ट रखने वाले लोग 80 देश में वीजा फ्री जा सकते हैं। वहीं बांग्लादेश की रैंकिंग 104 है, जो पाकिस्तान से 5 अंक ऊपर है। उत्तर कोरिया का पासपोर्ट भी पाकिस्तान से मजबूत है। उत्तर कोरिया की रैंकिंग 105 है। इसके नागरिक 40 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते हैं। रूस की रैंकिंग 50 और श्रीलंका की रैंकिंग 103 है। हेनले पासपोर्ट इंडेक्स के मुताबिक नंबर एक पर जापान है। जापान के लोग 193 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते हैं। इसके आगे सिंगापुर और दक्षिण कोरिया दूसरे नंबर पर हैं, जिनके पासपोर्ट से 192 देशों में बिना वीजा जाया जा सकता है।

# यूरोप में हीट वेव हुई खतरनाक : सिर्फ स्पेन, पुर्तगाल में ही 1900 से ज्यादा मौतें

**लंदन/पेरिस/लिस्बन।** भीषण गर्मी से यूरोप के हर कोने में हाहाकार मचा हुआ है। बढ़ते तापमान की वजह से जहां फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल और ग्रीस के जंगलों में आग लग गई, तो वहीं ब्रिटेन की सड़कें और रेलवे ट्रैक पिघल रहे हैं। इतिहास में पहली बार यहां पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच गया। पूरे महाद्वीप में अब तक एक हजार से ज्यादा लोगों की जान जा चुकी है।

**देशों में क्या है हीट वेव की स्थिति?**

ब्रिटेन में तापमान रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। मौसम विभाग ने सभी इलाकों में हीट वेव के लिए रेड अलर्ट जारी किया है। गर्मी से ट्रेन सर्विस प्रभावित हुई और स्कूल बंद कर दिए गए हैं।

स्पेन के कार्लोस इंस्टीट्यूट के मुताबिक वाइल्डफायर ने 862 लोगों की जान ली है। वहीं, 13 हजार से ज्यादा लोगों को अपना घर छोडना पड़ा। अब तक 70 हजार हेक्टेयर जंगल साफ हो चुका है।

फ्रांस ने एक हफ्ते में गर्मी के 100 से भी ज्यादा रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। यहां नदियों के गर्म पानी ने न्यूक्लियर पावर प्लांट्स के प्रोडक्शन को कम कर दिया है। वहीं, 3 हजार से ज्यादा फायरफाइटर जंगल की आग बुझाने की कोशिश कर रहे हैं।

पुर्तगाल में 17 जुलाई को आग पर काबू पाने में जुटा एक फायर फाइटिंग प्लेन क्रैश हो गया। हीट वेव से जुड़ी घटनाओं में लगभग 1,100 लोगों ने अपनी जान गंवाई।

जर्मनी के लोग रिकॉर्ड तापमान के चलते सूखे की मार झेल सकते हैं। उधर, बेल्जियम और स्वीडन में गर्मी बढ़ने से 'रेड' और 'ऑरेंज' वॉर्निंग दे दी गई है। वाइल्डफायर की वजह से इटली भी हाईअलर्ट पर है।

**यूरोप में खतरनाक हीट वेव की क्या वजहें है?**

**ग्लोबल वॉर्मिंग:** 19वीं सदी की तुलना में आज पृथ्वी का तापमान 1.1 डिग्री सेल्सियस ज्यादा है। अब हम कार्बन डाइऑक्साइड जैसी खतरनाक गैसों से घिरे हुए हैं, जो वातावरण में गर्मी को एक अलग लेवल पर ले जाती हैं।

**जेट स्ट्रीम:** धरती के ऊपरी वायुमंडल में तेजी से बहने वाली हवा (जेट स्ट्रीम) में ऐसे बदलाव हो रहे हैं, जिनसे यूरोप में गर्मी और ज्यादा बढ़ने वाली है। 2003 में भी कुछ ऐसा ही हुआ था।

**लो प्रेशर जोन:** हवा हाई प्रेशर से लो प्रेशर वाली जगहों पर बहती है। इस केस में हवा नॉर्थ अफ्रीका से यूरोप की तरफ बह रही है। गर्म हवाएं कई दिनों से पुर्तगाल के तट (लो प्रेशर जोन) के इर्द-गिर्द ही घूम रही हैं।

**समुद्र की गर्मी:** क्लाइमेट चेंज के चलते आर्कटिक ओशियन की बर्फ तेजी से पिघल रही है। यहां की गर्मी का असर यूरोप में चल रही हवाओं में देखा जा सकता है। अब हीट वेव लंबे समय तक एक ही जगह घूमती रहती है।

**मिट्टी का सूखापन:** यूरोप के ज्यादातर हिस्सों की मिट्टी में नमी कम है। यानी, यहां की जमीन ज्यादा गर्मी नहीं सोख पाती, जिससे तापमान बढ़ता चला जाता है।

**अमेरिका-चीन में भी हीट वेव; भारत-पाक झेल चुके मार**

अमेरिका में भी खतरनाक हीट वेव जैसे हालात हैं। नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन के मुताबिक, देश की कुल आबादी के 25 फीसदी यानी 8 करोड़ लोग इस भीषण गर्मी की चपेट में आ सकते है। उधर, चीन में भी मौसम में अजीबोगरीब बदलाव देखने को मिल रहे हैं। यहां हीट वेव के साथ रिकॉर्ड बारिश हो रही है। इसी साल मार्च, अप्रैल और मई में उत्तर भारत और पाकिस्तान में रिकॉर्ड तोड़ हीट वेव ने दोनों देशों को बुरी तरह प्रभावित किया था। इससे सैकड़ों लोगों की मौत हुई और फसलों को भारी नुकसान हुआ। यूनाइटेड किंगडम मौसम कार्यालय की एक स्टडी के अनुसार, भारत व पाकिस्तान में हीट वेव की संभावना क्लाइमेट चेंज के कारण 100 गुना बढ़ गई है।

## इजरायली विशेषज्ञों ने कृषि क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने के लिए किया भारत का दौरा, सर्वोत्तम खेती तरीकों की दी जानकारी

**इजरायल।** दो इजरायली विशेषज्ञों ने कृषि क्षेत्र में इजरायल-भारत रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने और दोनों देशों के बीच 30 साल के राजनयिक संबंधों को चिह्नित करने के लिए 6 से 20 जुलाई तक भारत की यात्रा की । इजरायल के सब्जी विशेषज्ञ डेनियल हदद और इजरायल के आम विशेषज्ञ क्लिफ लव ने इस पूरे दौरे के दौरान भारतीय किसानों के साथ कृषि क्षेत्र से जुड़ी सबसे बढ़िया तकनीकों की जानकारी साझा की। दोनों विशेषज्ञों को MASHAV- इज़राइल की अंतर्राष्ट्रीय विकास सहयोग एजेंसी, इज़राइल राज्य के विदेश मामलों के मंत्रालय द्वारा भारत भेजा गया था। यह यात्रा भारत-इजरायल कृषि परियोजना के हिस्से के रूप में आयोजित की गई थी, जो कि सबसे बड़ी कृषि परियोजना है जिसमें इजरायल सरकार भी शामिल है।भारत में इज़राइल के राजदूत एच.ई. नाओर गिलोन ने कहा, 'यह उन यात्राओं की एक श्रृंखला का हिस्सा था जो MASHAV भारत में आयोजित करता है क्योंकि कृषि इजरायल-भारत की बढ़ती साझेदारी का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है।वर्तमान में हमारे पास पूरे भारत में 29 पूरी तरह से सक्रिय इंडो-इज़राइल सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हैं, जो दैनिक आधार पर लाखों भारतीय किसानों को लाभान्वित कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि भविष्य में भी हम ऐसे दौरों का आयोजन करते रहेंगे जो स्थानीय किसानों के लिए और फायदेमंद साबित होंगे। यात्रा के दौरान दोनों विशेषज्ञों ने भारत के विभिन्न हिस्सों में वर्षों से स्थापित भारत-इजरायल उत्कृष्टता केंद्रों का दौरा किया वहां चल रही गतिविधियों की समीक्षा की । इस दौरान उन्होंने IIAP के तहत बिहार में सब्जियों और आम पर 3 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का नेतृत्व किया जिसमें 11 राज्यों में भारत-इजरायल COE का नेतृत्व करने वाले 22 अधिकारियों ने भाग लिया।

इस सम्मेलन के दौरान, विशेषज्ञों ने किसानों के खेतों का भी दौरा किया और आम और सब्जियों के लिए सर्वोत्तम खेती के तरीकों यानी सिंचाई और उर्वरता, छत्र प्रबंधन आदि के बारे में बताया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

## केरल में लड़के-लड़कियों को साथ बैठने पर रोक, विद्यार्थियों ने दे डाला ऐसा जवाब

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम की महापौर ने बृहस्पतिवार को बस स्टॉप पर बैठने की लैंगिक रूप से तटस्थ व्यवस्था करने का वादा किया है। इससे पहले लड़के-लड़कियों को साथ बैठने से रोकने के लिए कथित नैतिकता के नाम पर बस स्टॉप पर बेंच को तीन अलग अलग सीटों में बांटने पर एक अभियांत्रिकी महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक दूसरे की गोद में बैठ कर तस्वीरें निकलवाईं और उन्हें सोशल मीडिया पर डाला। कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग त्रिवेंद्रम (सीईटी) के विद्यार्थियों द्वारा सोशल मीडिया पर तस्वीरें डाले जाने के बाद महापौर आर्या एस राजेंद्रन ने इलाके का दौरा किया। दौरा करने के बाद महापौर ने फेसबुक पर लिखा कि जिस तरह बेंच को काटकर तीन सीटों में बांट दिया गया, वह केरल जैसे प्रगतिशील समाज में न केवल 'अनुपयुक्त' है बल्कि 'अशोभनीय' भी है। उन्होंने कहा कि हमारे राज्य में लड़के-लड़कियों के साथ बैठने पर कोई रोक नहीं है और जो अब भी मानते है कि इस पर रोक होनी चाहिए, वे अब भी पुराने जमाने में जी रहे हैं। उन्होंने कहा, '' कोई भी व्यक्ति ऐसे लोगों से केवल सहानुभूति रख सकता है जो अब भी नहीं समझते हैं कि समय बदल गया है।'' सीईटी के विद्यार्थियों के रुख की सराहना करते हुए राजेंद्रन ने कहा कि प्रतिक्रिया देने वाली पीढ़ी भविष्य की आस है तथा स्थानीय प्रशासन इस मामले में विद्यार्थियों के साथ है। उन्होंने कहा कि बस स्टैंड जर्जर एवं अनधिकृत था एवं लोक निर्माण विभाग से उसे अनापत्ति भी नहीं मिली है, इसलिए नगर निगम आधुनिक सुविधाओं से युक्त नयी लैंगिक तटस्थ सुविधा का निर्माण कराएगा। माकपा की युवा शाखा डीवाईएफआई ने यह कहते हुए इस घटना पर प्रतिक्रिया दी कि जो पुरानी धारणा वाली तथाकथित नैतिक व्यवस्था थोपने का प्रयास करते हैं तथा लैंगिक न्याय में विश्वास नहीं करते, वे समाज के लिए खतरा हैं। डीवाईएफआई सचिवालय ने एक बयान में कहा कि ऐसे लोगों को यह समझने की जरूरत है कि दुनिया बदल रही है।

## केजरीवाल की सिंगापुर यात्रा खारिज होने पर विदेश मंत्रालय से मांगेंगे राजनीतिक अनुमति, मनीष सिसोदिया ने दिया बयान

नयी दिल्ली। दिल्ली के उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी सरकार मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सिंगापुर यात्रा के लिए राजनीतिक अनुमति मांगने के वास्ते अब सीधे विदेश मंत्रालय का रुख करेगी। उपराज्यपाल वी. के. सक्सेना द्वारा केजरीवाल को सिंगापुर में विश्व नगर सम्मेलन में शरीक नहीं होने की सलाह दिये जाने के बाद सिसोदिया का यह बयान आया है। आधिकारिक सूत्रों ने बृहस्पतिवार को बताया कि सक्सेना ने मुख्यमंत्री को अगले महीने इस सम्मेलन में शरीक नहीं होने की सलाह दी क्योंकि यह महापौरों का सम्मेलन है और इसमें किसी मुख्यमंत्री का शरीक होना उपयुक्त नहीं होगा। सूत्रों ने बताया कि सक्सेना ने केजरीवाल की विदेश यात्रा का प्रस्ताव लौटाते हुए इस बात का जिक्र किया कि सम्मेलन में शहरी शासन के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी, जो नगर निगम, दिल्ली विकास प्राधिकरण और नयी दिल्ली नगरपालिका परिषद से जुड़े होंगे। सिसोदिया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''उपराज्यपाल ने केजरीवाल को सम्मेलन में शरीक नहीं होने की सलाह दी क्योंकि यह महापौरों का सम्मेलन है। अन्य राज्यों के मुख्यमंत्री पूर्व में इस सम्मेलन में शरीक हुए हैं। यहां तक कि प्रधानमंत्री भी राज्य से जुड़े मुद्दों के लिए जाते हैं। यह ओछी राजनीति है। हम अब राजनीतिक अनुमति के लिए सीधे विदेश मंत्रालय का रुख करेंगे और हमें उम्मीद है कि वे हमारे अनुरोध को स्वीकार कर लेंगे।

## बरेली में मिला अफ्रीकन स्वाइन फीवर का पहला मामला, प्रशासन हुआ अलर्ट

बरेली (उत्तर प्रदेश)। बरेली जिले में अफ्रीकन स्वाइन फीवर (एएसएफ) का पहला मामला सामने आया है। इसके बाद भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान (आईवीआरआई) ने मुख्य पशु चिकित्साधिकारी को पत्र भेजकर अलर्ट जारी करने के लिए कहा है। आईवीआरआई के संयुक्त निदेशक डॉक्टर के. पी. सिंह ने बृहस्पतिवार को बताया कि देश के मिजोरम, त्रिपुरा और असम के बाद अब बरेली में भी अफ्रीकन स्वाइन फ्लू का मामला सामने आया है। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व बरेली जिले के नवाबगंज तहसील के भड़सर डांडिया गांव निवासी पशु पालक अनिल कुमार के सुअर को तेज बुखार आया था और कुछ दिन बाद इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी। कुमार ने मृत सुअर का नमूना जांच के लिये आईवीआरआई भेजा था। डॉ.सिंह ने बताया कि आज नमूने की जांच में अफ्रीकन स्वाइन फीवर की पुष्टि हुई। उन्होंने बताया कि इसके बाद आईवीआरआई की तरफ से मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी को भी पत्र भेजकर अलर्ट और परामर्श जारी करने के लिए कहा गया है। आईवीआरआई की तरफ से गांव में एक टीम भेजने का फैसला लिया गया है, जो अन्य सुअरों में संक्रमण की जांच करेगी। इसके साथ ही पशुपालकों को जानवरों में ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत उन्हें अन्य से अलग करने की सलाह देगी। उन्होंने बताया कि जिस इलाके में संक्रमण की पुष्टि होती है, उसके एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमित जोन घोषित कर दिया जाता है। हालांकि, इस संक्रमण से इंसानों को खतरा नहीं है। लेकिन अस्वस्थ सुअर के संपर्क में आने वाले पशुपालकों या कर्मचारियों से संक्रमण दूसरे पशुओं में फैल सकता है।

## झारखंड के गुमला में पशु तस्करों बेखौफ, बैरियर तोड़कर पुलिसकर्मियों को रौंदने का किया प्रयास

गुमला। झारखंड में अपराधियों को पुलिस का भय लेशमात्र नहीं रहा है बीते दिनों रांची में महिला एसआई को कुचलकर मारने की घटना शांत ही नहीं हुई थी कि अब गुमला में पशु तस्करों ने रायडीह में पुलिसकर्मियों को कुचलने की कोशिश की। इसके बाद आरोपी थाने के समीप का बैरियर तोड़कर भागे। इसमें एएसआई प्रसिद्ध तिवारी के पैर में चोट आई है। हालांकि पुलिस टीम ने पीछा कर पशु तस्करों के दो वाहन पकड़ लिए, लेकिन पशु तस्कर भागने में कामयाब रहे। पुलिस को वाहन से 41 गोवंशीय पशु मिले हैं। मामले की जानकारी देते हुए रायडीह थाना प्रभारी अमित कुमार ने बताया कि गुमला एसपी एहतेशाम वकारीब को छत्तीसगढ़ के रास्ते वाहनों में पशु तस्करी की सूचना मिली थी। इसी सूचना पर तड़के सुबह तीन बजे शंख मोड़ मांझाटोली में पुलिस दल तस्करों के वाहनों का इंतजार करने लगा। इधर, चालक का मोबाइल नंबर भी तकनीकी सेल ट्रेस कर रही थी। इसी बीच मालवाहक ट्रक और बोलेरो आते दिखाई पड़े। पुलिसकर्मियों ने इन्हें रूकने का इशारा किया लेकिन चालक ने स्पीड बढ़ाकर पुलिसकर्मियों को रौंदने की कोशिश की। गनीमत रही कि वे तुरंत मौके से पीछे हट गए और एक बड़ा हादसा टल गया। इसके बाद इस दल ने थाना गेट के पास बैरियर लगाकर तैनात पुलिस टीम को जानकारी दी और पीछा करने लगे। इधर थाने से तीन सौ मीटर पहले खीराखांड मोड़ जोड़ा पुल के पास बोलेरो ट्रक को ओवरटेक करने के क्रम में पुल को तोड़ते हुए अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इसके बाद चालक भाग गया। जबकि ट्रक को थाना गेट के पास रोकने की कोशिश की गई तो वह बैरियर को तोड़ते हुए आगे बढ़ गया। लेकिन पुलिस फोर्स पीछा करती रही। इस पर सिलम बाईपास के पास चालक ट्रक को खड़ा कर फरार हो गया। पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। इसमें 41 गोवंशीय पशु बरामद हुए हैं, सभी को ग्रामीणों में बांट दिया गया। जबकि घायल पशुओं का इलाज कराया गया है। इस संबंध में रायडीह थाने में कांड संख्या 38/2022 दर्ज किया गया। इसमें मो. दानिश कुरैशी लोहरदगा, चालक मो. मोजाहिद अंसारी लोहरदगा और ट्रक-बोलेरो मालिकों के विरुद्ध झारखंड पशु क्रूरता अधिनियम आदि के तहत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है जल्दी तस्करों की गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

## पेट दर्द से परेशान सीएम भगवंत मान, उपचार के लिए अपोलो अस्पताल में भर्ती

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान इन दिनों पेट दर्द से जूझ रहे है और इसके लिए दिल्ली के अपोलो अस्पताल में उपचाररत हैं। इस बीच उनका एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वह प्रदूषित पानी पीते दिखाई दे रहे हैं। ऐसे में इस बात की चर्चाएं भी शुरू हो गई हैं कि क्या इस जल को पीने से उनके पेट में दर्द शुरू हो गया। आम आदमी पार्टी की पंजाब यूनिट की ओर से शेयर किए गए वीडियो में भगवंत मान एक नदी से गिलास में पानी भरकर पीते हुए दिखाई दे रहे हैं। पंजाब यूनिट की ओर से शेयर किए गए वीडियो के कैप्शन में पंजाबी में लिखा गया था, 'मुख्यमंत्री ने सुल्तानपुर लोधी में पवित्र जल पीते हुए गुरु नानक साहिब की भूमि को नमन किया। भगवंत मान और राज्य सभा सदस्य संत सिचेवाल जी ने पवित्र स्थान की सफाई का बीड़ा उठाया है।' यह वीडियो 17 को जुलाई को ट्वीट किया गया था। पर्यावरणविद और राज्यसभा सांसद बलबीर सिंह सीचेवाल ने सीएम को काली बेई नदी के सफाई अभियान में बुलाया था। इसी दौरान भगवंत मान ने एक गिलास पानी पी लिया था। इसे पानी में आसपास के कस्बों और गांवों के सीवेज का पानी भी मिला रहता है। उसे बिना हिचक के भगवंत मान ने पी लिया था। इसके कुछ दिन बाद ही उन्हें दिल्ली के अपोलो अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

# रेवड़ी बांटने से पैदा होंगे श्रीलंका वाले हालात अरविंद केजरीवाल ने दिया जवाब

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

बीजेपी की गुजरात इकाई के प्रमुख सीआर पाटिल के बयान पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि जनता को नहीं बल्कि अपने दोस्तों और मंत्रियों को फ्री रेवड़ी देने से श्रीलंका जैसा हालात पैदा होते हैं। दरअसल, बुधवार को पाटिल ने आप का नाम लिए बिना कहा था कि लोगों को 'रेवड़ी संस्कृति' के झांसे में नहीं आना चाहिए, क्योंकि इससे राज्य और भारत श्रीलंका बन सकता है जो फिलहाल गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है। बीजेपी गुजरात चीफ को जवाब देते हुए केजरीवाल ने कहा, जनता को फ्री रेवड़ी देने से श्रीलंका जैसे हालात नहीं होते। अपने दोस्तों/मंत्रियों को देने से होते हैं। श्रीलंका वाला अपने दोस्तों को फ्री रेवड़ी देता था। अगर जनता को देता तो जनता उसके घर में घुसके उसे ना भगाती। जनता को फ्री रेवड़ी भगवान का प्रसाद है। दोस्तों को फी रेवड़ी पाप।' पाटिल ने गांधीनगर में एक कार्यक्रम के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं को रेवड़ी कल्चर के प्रति जागरूक किया था। बीजेपी नेता ने कहा था, 'देश में कुछ लोग रेवड़ी (मुफ्त चीजें) बांट रहे हैं। लेकिन गुजरात के लोगों को ऐसी रेवड़ी संस्कृति से गुमराह नहीं होना चाहिए। क्या ये लोग (आप) गुजरात को श्रीलंका बनाना चाहते हैं? हमें ऐसे लोगों को मुंह तोड़ जवाब देना चाहिए। भाजपा कार्यकर्ता लोगों को समझाएं और उन्हें रेवड़ी संस्कृति के परिणामों के बारे में चेताएं। हम टीवी पर श्रीलंका की स्थिति देख सकते हैं जो चिंताजनक है। यह मुफ्त में चीजें बांटने की वजह से हुआ है।' गुजरात दौरे पर पहुंचे केजरीवाल ने विधानसभा चुनाव से पहले फ्री बिजली का ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा कि महंगाई काफी बढ़ गई है। बिजली के दाम भी लगातार बढ़ रहे हैं। हमने दिल्ली में फ्री बिजली दी। पंजाब में तीन महीने में फ्री बिजली दे दी। अब गुजरात में आप की सरकार बनने पर हम मुफ्त बिजली देंगे। उन्होंने कहा कि मैं गुजरात में पहली गारंटी के तौर पर फ्री बिजली का वादा करता हूं।

## राजनीति में होगी रॉबर्ट वाड्रा की एंट्री बोले देश में बदलाव की जरूरत

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड केस में कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी से ईडी की पूछताछ के दौरान कांग्रेस ने जमकर हंगामा किया। वहीं उनके दामाद ने पत्रकारों से बात करते हुए राजनीति में आने के भी संकेत दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। वाड्रा ने कहा, 'आप किसी एक भाजपा नेता का नाम बता दाजिए जिसे इन एजेंसियों ने पूछताछ के लिए बुलाया हो।

भाजपा को जब भी लगता है कि लोग उनकी नीतियों से दुखी हैं तो वे गांधी परिवार को परेशान करना शुरू कर देते हैं। उन्होंने कहा, 'देश में बदलाव की जरूरत है। अगर लोगों को लगता है कि मैं देश में बदलाव ला सकता हूं तो मैं राजनित में जरूर आऊंगा।' वाड्रा ने कहा कि ईडी सोनिया गांधी से इसलिए पूछताछ कर रही है क्योंकि लोग जीएसटी से दुखी हैं। आजकल कारोबारियों को आयकर विभाग से ज्यादा ईडी के नोटिस मिलते हैं।

# बुन्देलखण्ड से कभी निवेशक भागते थे, अब धरती का स्वर्ग बन रहा: योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को हमीरपुर में हिंदुस्तान यूनिलीवर के कारखाने का लोकार्पण किया और कहा कि जिस बुन्देलखण्ड से कभी निवेशक भागते थे और युवा पलायन करते थे, वह आज धरती का स्वर्ग बन रहा है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि मुख्यमंत्री ने हमीरपुर जिले के सुमेरपुर इलाके में स्थित हिंदुस्तान यूनिलीवर इंडिया के स्प्रे ड्रायड डिटर्जेंट पाउडर निर्माण इकाई और वितरण केंद्र का 'ऑनलाइन' लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान यूनिलीवर इंडिया वर्ष 2025 तक उत्तर प्रदेश में 700 करोड़ रुपएनिवेश करेगी इससे बुंदेलखंड में प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार के लाखों अवसर बनेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड में रक्षा गलियारा के माध्यम से औद्योगिक विकास की नई राह बनी है। वहीं गत 16 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा राष्ट्र को समर्पित बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस वे यहां के विकास को रफ्तार देने वाला होगा। इसके किनारे औद्योगिक संकुल बनाये जा रहे हैं। सुमेरपुर का यह प्लांट उसी कड़ी में एक कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा, ''जिस बुन्देलखण्ड से कभी निवेशक भागते थे और युवा पलायन करते थे, वह आज धरती का स्वर्ग बन रहा है।'' यह संयंत्र एक अत्याधुनिक स्प्रे ड्राइड डिटर्जेंट फैक्ट्री है। यहां प्रमुख यूनिलीवर ब्रांड उत्पादों का विनिर्माण होगा। अत्याधुनिक तकनीक से लैस इस नई फैक्ट्री में 'ऑटोमेटिक स्टोरेज' भी हैं और यह एक वितरण केंद्र के रूप में भी काम करेगी।

योगी ने कहा कि निवेश का केवल औद्योगिक महत्व ही नहीं होता। यह अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ तो करता ही है, साथ ही रोजगार सृजन और समुदायिक विकास कासहज माध्यम भी बनता है। सुमेरपुर जैसे पिछड़े कहे जाने वाले क्षेत्र में यह संयंत्र प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष तौर पर लाखों लोगों के रोजगार का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुन्देलखण्ड में ऊर्जावान प्रतिभाएं हैं, पर्यटन की अपार संभावनाएं भी हैं। कभी पेयजल के लिए तरस रहे बुन्देलखण्ड में बड़ा बदलाव आया है।

## सेना में धर्म और जाति नहीं, योग्यता के आधार पर होता है चयन: स्मृति ईरानी

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री स्मृति ईरानी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सेना और केंद्रीय बलों में चयन धर्म और जाति देखकर नहीं, बल्कि योग्यता के आधार पर होता है। उन्होंने लोकसभा में द्रमुक सांसद डी रविकुमार के प्रश्न के लिखित उत्तर में यह टिप्पणी की। रवि कुमार ने सवाल किया था कि क्या सरकार के पास ऐसा कोई प्रस्ताव है कि 'अग्निपथ' योजना के तहत मुस्लिम और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों की भर्ती पर जोर दिया जाए?

इस पर ईरानी ने कहा, ''सशस्त्र बलों में योग्यता आधारित भर्ती होती है और इसमें हर नागरिक के लिए समान अवसर होते हैं। जाति, वंश, वर्ग या धर्म आधारित भेदभाव के बिना चयन होता है, बस यह जरूरी है कि अभ्यर्थी तय आयुसीमा, शारीरिक, चिकित्सा और शैक्षणिक योग्यता पूरी करता हो।'' उन्होंने यह भी कहा कि अग्निपथ योजना उच्चतम न्यायालय के विचाराधीन है। एक अन्य प्रश्न के उत्तर में मंत्री ने कहा, ''गृह मंत्रालय ने सूचित किया है कि केंद्रीय अर्द्धसैनिक बलों में चयन योग्यता के आधार पर होता है। योग्यता आधारित चयन में धर्म कोई पैमाना नहीं होता।

## बंगाल की मेगा रैली में ममता बोलीं- 2024 में बीजेपी को नहीं मिलेगा बहुमत, विपक्षी दलों को आना होगा साथ

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने शहीद दिवस रैली में अपने भाषण के दौरान लोकसभा चुनाव के लिए पार्टी का रोडमैप रखते हुए कहा कि 2024 का चुनाव भाजपा के विभाजन को खारिज करने वाला होगा। ममता ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार की बेड़ियों को तोड़ एक जन-समर्थक सरकार स्थापित करें। बारिश का सामना करते हुए तृणमूल कांग्रेस के वार्षिक कार्यक्रम में हजारों टीएमसी समर्थकों ने भाग लिया।

सीएम ने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो ईडी, सीबीआई और अन्य जांच एजेंसियों का उपयोग अपने स्वयं के एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए करती है। हालांकि, टीएमसी के पास उनसे मुकाबला करने की ताकत है क्योंकि हम उनसे डरते नहीं हैं। 2024 में, जब भाजपा बहुमत पाने में विफल रहती है, तो विपक्षी दलों को अगली सरकार बनाने के लिए एक साथ आना होगा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि बीजेपी और सीपीआई (एम) बारिश को देखकर बहुत खुश थे। लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि भगवान भी टीएमसी के साथ हैं। सूरज उज्ज्वल चमक रहा है, ठीक हमारे भविष्य की तरह। जो राज्यों में सरकारें तोड़ने की कोशिश कर रही है, उन्हें मैं 2021 के विधानसभा चुनाव के नतीजे याद कराना चाहती हूं।

# ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले: हिन्दू पक्ष की भी दलीलें हुई पूरी, अगली सुनवाई 25 जुलाई को होगी

वाराणसी (उप्र)। (एजेंसी)।

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले में वाराणसी की जिला अदालत में हिन्दू पक्ष की दलीलें बृहस्पतिवार को पूरी हो गयीं। अदालत ने अगली सुनवाई के लिए 25 जुलाई की तारीख नियत की है। हिन्दू पक्ष के अधिवक्ता शिवम गौड़ ने बताया कि वादी राखी सिंह की तरफ से दलीलें पूरी हो गयी हैं। उत्तर प्रदेश सरकार, जिलाधिकारी और पुलिस कमिश्नरेट की तरफ से सरकारी अधिवक्ता महेन्द्रनाथ पांडेय ने भी दलीलें रख दी हैं। उन्होंने बताया कि अब अगली सुनवाई की तारीख पर मुस्लिम पक्ष अपना प्रतिवाद रखेगा। इस मामले में अब दोनों पक्ष अपनी-अपनी दलीलें रख चुके हैं।

गौड़ ने बताया, उपासना स्थल अधिनियम, वक्फ अधिनियम और काशी विश्वनाथ अधिनियमन को लेकर, जो हमने दलीलें पूर्व में अदालत के समक्ष रखी थी, उसी को आज पूरा किया है। हमने अदालत से कहा है कि हमारा मुकदमा पूरी तरह से सुनवाई योग्य है। गौरतलब है कि श्रंगार गौरी की नियमित पूजा और विग्रहों की सुरक्षा के आदेश देने के आग्रह वाली एक याचिका वाराणसी के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में दायर की गयी थी। अदालत ने गत 26 अप्रैल को ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी परिसर में वीडियोग्राफी-सर्वे करने का आदेश दिया था। इसके खिलाफ ज्ञानवापी मस्जिद प्रबंधन कमेटी ने उच्चतम न्यायालय में अर्जी दाखिल करते हुए निचली अदालत के इस आदेश को वर्ष 1991 के उपासना स्थल अधिनियम के विरुद्ध बताते हुए सर्वे पर रोक लगाने का आग्रह किया था।

हालांकि,न्यायालय ने सर्वे पर रोक लगाने से इंकार कर दिया था। लेकिन मामले की सुनवाई जिला अदालत में स्थानांतरित करने के आदेश दिये थे। ज्ञानवापी परिसर में सर्वे के दौरान हिन्दू पक्ष ने मस्जिद के वजूखाने में कथित शिवलिंग मिलने का दावा किया था। इसी आधार पर हिन्दू पक्ष ने कथित शिवलिंग की पूजा करने की मांग उठायी थी। सर्वे की रिपोर्ट 19 मई को अदालत में दाखिल की गयी थी। मुस्लिम पक्ष का दावा है कि ज्ञानवापी का मामला वर्ष 1991 के उपासना स्थल अधिनियम के खिलाफ है, लिहाजा यह मामला अदालत में सुनवाई करने लायक नहीं है। जिला अदालत में इसी पर सुनवाई हो रही है कि यह प्रकरण सुनवाई के योग्य है या नहीं।

# पार्टी संगठन को फिर से बनाने निकल पड़े आदित्य ठाकरे, कहा- शिवसेना का नए सिरे से निर्माण करेंगे

ठाणे। (एजेंसी)।

शिवसेना नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह पार्टी संगठन को फिर से बनाने के लिए निकल पड़े हैं। उन्होंने यह दावा भी किया कि राज्य में एकनाथ शिंदे नीत सरकार जल्द ही गिर जाएगी क्योंकि यह 'अवैध' तरीके से बनी है। आदित्य ठाकरे ठाणे जिले के भिवंडी शहर में तीन दिवसीय 'शिव संवाद यात्रा' शुरू होने के मौके पर बोल रहे थे। जिले में उनके समर्थकों ने उनका ज़ोरदार स्वागत किया। आदित्य के पिता उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार पिछले महीने गिर गई थी। दरअसल, शिंदे की अगुवाई में पार्टी के अधिकतर विधायकों ने शिवसेना नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी थी। उद्धव ठाकरे ने 29 जून को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद शिंदे ने मुख्यमंत्री पद की एवं भाजपा नेता देवेंद्र फड़णवीस ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ली।

युवा सेना के प्रमुख आदित्य ठाकरे ने रैली में कहा, 'एमवीए सरकार ने राज्य में विकास कार्य किए। लेकिन मौजूदा सरकार की कैबिनेट में सिर्फ दो सदस्य (शिंदे और फड़णवीस) हैं। राज्य बाढ़ का सामना कर रहा है, लेकिन इस स्थिति के बीच में, वे (बागी) हमें धमकाने की कोशिश कर रहे हैं। मगर हम ऐसे हथकंडों पर ध्यान नहीं देंगे। मुझे यकीन है कि यह सरकार गिर जाएगी। यह अवैध तरीके से बनी है।' उन्होंने बागी विधायकों को इस्तीफा देने और फिर से चुनाव का सामना करने की चुनौती दी। आदित्य ठाकरे ने कहा, ' शिंदे ने तब विद्रोह किया जब मेरे पिता (उद्धव ठाकरे) बीमार थे। उन्हें (शिवसेना के बागियों को) राज्य कैबिनेट में मौका दिया गया, लेकिन उन्होंने धोखा दिया और हमें छोड़ दिया। हमें छोड़कर जाने वाले शिवसैनिक नहीं हैं। वे गद्दार हैं... देखिए, बागी विधायकों की स्थिति क्या है जिन्हें वोट देने के लिए बसों में लाया गया, क्योंकि उन्हें छिपा कर रखा गया था।'

पूर्व मंत्री ने कहा, 'हमारी सिर्फ इतनी गलती है कि हम राजनीति नहीं कर सके और इसलिए हमें इस स्थिति का सामना करना पड़ा। हमने उन्हें परेशान नहीं किया जो हमारे खिलाफ हैं।' उन्होंने कहा कि अगर सभी बागी वापस आना चाहते हैं तो 'मातोश्री' (ठाकरे परिवार का निजी आवास) के दरवाज़े उनके लिए हमेशा खुले हैं। आदित्य ने कहा कि राज्य में

राजनीतिक नौटंकी और सर्कस चल रहा है और अच्छे लोगों की राजनीति में कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, 'हम अच्छे लोग हैं और अच्छी राजनीति करेंगे।' वर्ली के विधायक ने कहा कि विद्रोहियों का सिर्फ एक मसला था कि उद्धव ठाकरे और आदित्य ठाकरे विधानमंडल में हैं जिसे वे पचा नहीं पा रहे थे। भिवंडी के बाद, आदित्य ठाकरे का 'शिव संवाद यात्रा' के तहत शाहपुर, इगतपुरी, डिण्डोरी व नासिक जाने का भी कार्यक्रम है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरपंच नजीर शेख और उनके भतीजे मजहर शेख के खिलाफ सीआरपीसी 154 के तहत ऐट्रोसीटी दर्ज

# सचिन थाने में कछौली ग्राम पंचायत सरपंच के खिलाफ गरीब जरूरतमंदों को लाभ से वंचित करने और धमकी देने का मामला दर्ज किया

## सूरत सिटी पुलिस एससी/एसटी सेल ने शुरूकी जांच, मामा-भांजा दोनो ही वान्टेड

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

कछौली गांव के पिछड़े वर्ग के निवासियों को आवश्यक लाभ से वंचित कर उन्हें जातिसूचक बताकर धमकाने और जान से मारने के मामले में कछौली गांव के सरपंच नजीर शेख और उनके भांजे के विरुद्ध सचिन थाने मे सीआरपीसी अधिनियम 154 के तहत अत्याचार की शिकायत दर्ज की

17 जुलाई 22

18 जुलाई 22

19 जुलाई 22

20 जुलाई 22

गयी है। हालांकि, दोनों मामा-भांजे को फिलहाल पुलिसने वान्टेड जाहिर कर दिया है।

सूरत जिले के कछौली ग्राम पंचायत की सीमा में रहनेवाले गरीब जरूरतमंद लोगों को शौचालय सहित आवास के मामले में वंचित करने वाले कछौली गांव के सरपंच नजीर शेख और उनके भांजे मजहर शेख के खिलाफ कई शिकायतें उठाई गईं थी। स्थानीय क्षेत्र के युवाओं ने गरीबों के साथ हो रहे अन्याय पर आरटीआई दाखिल की और जवाब पाकर कानूनी लड़ाई शुरू कर दी थी। वहीं आरटीआई कार्यकर्ता के सहयोग के लिए निकले गांव के कुछ पिछड़े वर्ग के लोगों को सरपंच नजीर शेख व उनका भांजा मजहर शेखने जातिसूचक गालियां देकर जान से मारने की धमकी दी थी। धमकीयां मिलने पर पिछडेवर्ग के लोगो ने उच्चस्तरीय शिकायतें की थी जिसके कारण सरपंच नजीर शेख ओर उसके भांजे के खिलाफ आपराधिक मामला सचिन पुलिस थाने मे दर्ज कर दिया गया है।

कछौली गांव के सरपंच नजीर शेख और उनके भांजे के खिलाफ शिकायतकर्ता परेश डेडियाभाई राठौर की शिकायत के बाद शहर पुलिसने भी मामले को गंभीरता से लेते हुए बीती देर रात सीआरपीसी 154 धारा 504, 506 (2) और 114 आईपीसी अधिनियम और धारा

3 (2) (वी), 3 (1) (आर), 3 (1) (एस) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति निषेध के तहत एट्रोसीटी गुनाह दर्ज किया गया है। यह पूरे मामले मे आगे की जांच शहर पुलिस की एससी/एसटी सेल करेगी। अब जबकि दोनों मामा-भांजा को वान्टेड घोषित कर दिया गया है। सरपंच के खिलाफ लड़नेवाले गांव के जागरूक नागरिक खुशी के मूड में कानूनी व्यवस्था की प्रशंसा कर रहे है। अब जब मामा-भांजा दोनों कानून के दायरे में आ गए हैं, तो चर्चा थी कि वे अब वादी को कानून के खिलाफ बचाव का रास्ता खोजने के लिए मनाने की कोशिश कर रहे हैं।

### सरपंच की संपत्ति की भी जांच होनी चाहिए।

कछौली गांव के सरपंच नजीर शेख और उनके भांजे के खिलाफ सचिन थाने में मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा कहा जाता है कि सरपंच ने गरीब जरूरतमंदों को विशेष तरीके से लाभ न देकर बड़े पैमाने पर सरकारी अनुदान के लाभ का फायदा उठा लिया है। सबसे ज्यादा खुलासे एक आरटीआई में पहले

ही किए जा चुके हैं। बार-बार यह बात सामने आई है कि गांव के लोग सरपंच से काफी परेशान हैं. इसके अलावा, सिस्टम के माध्यम से सटीक विवरण प्राप्त करना आवश्यक है कि सरपंचने चुनाव लड़ने के लिए कितनी संपत्ति दिखाई थी और वर्तमान में उनके पास अपने और अपने परिवार के नाम पर कितनी संपत्ति है? जागरूक लोगों द्वारा कहीं न कहीं यह महसूस किया जाता है कि यह आवश्यक और महत्वपूर्ण है कि जब सरकारी अधिकारी जांच के लिए जाएं, तो वे सरपंच और उनके भांजे व उनके रिश्तेदारों की संपत्ति की जांच कुछ तटस्थ व्यक्तियों की उपस्थिति में करें।

# गुजरात में AAP सत्ता में आने पर प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देगी हमारी सरकार - केजरीवाल

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत,आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने गुजरात में सत्ता में आने पर प्रति माह 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया है।इसी साल दिसंबर में गुजरात में विधानसभा चुनाव होने हैं। दिल्ली के सीएम केजरीवाल ने सूरत में एक बैठक में बिना किसी कटौती चौबीसों घंटे बिजली आपूर्ति का वादा भी किया। केजरीवाल ने गुजरात में मुफ्त बिजली को एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बना दिया है। केजरीवाल ने वादा किया कि 31 दिसंबर 2021 से पहले जारी सभी लंबित बिजली बिल माफ किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि उनमें से अधिकतर बिजली बिल असल खपत से अधिक हैं और बिजली कंपनियां ऐसे मामलों का निपटारा करने के लिए लोगों को परेशान कर रही हैं।

केजरीवाल ने कहा, ''दिल्ली में बिजली पहले ही मुफ्त है और आम आदमी पार्टी (आप) ने पंजाब में सरकार गठन के तीन महीने के भीतर ही वहां भी बिजली मुफ्त कर दी।'' उन्होंने कहा, ''गुजरात के लोग भी यह राहत चाहते हैं, मैं वादा करता हूं कि अगर आगामी विधानसभा चुनाव में हम सत्ता में आए तो प्रति माह हर परिवार को 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली दी जाएगी।'' आप नेता ने कहा कि वह आज जो वादा कर रहे हैं वह एक गारंटी है....कोई जुमला नहीं जिसका जिक्र

अन्य राजनीतिक दल चुनाव से पहले अपने घोषणापत्र में करते हैं। केजरीवाल ने कहा, ''मैं आपको गारंटी दे रहा हूं। अगर आपको कोई कमी दिखे, तो आप अगले चुनाव में 'आप' को बेझिझक वोट न दें। एक बार राज्य में सत्ता में आने के बाद हम सभी वादे पूरे करेंगे।'' उन्होंने कहा कि 300 यूनिट की खपत के बाद सामान्य दरें लागू होंगी।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा, ''बिजली कटौती की जाए, तो मुफ्त बिजली का कोई फायदा नहीं है। मैंने सुना है कि गुजरात के कई गांवों और कस्बों में अब भी बिजली की कटौती हो रही है। इसलिए, मैं वादा करता हूं कि हम बिना किसी कटौती के चौबीसों घंटे बिजली देंगे।'' लंबित बिल पर केजरीवाल ने कहा कि बेहद छोटे मकानों का भी पांच हजार रूपये से अधिक का बिल आ रहा है। उन्होंने कहा, ''जब लोग शिकायत दर्ज कराते हैं, तो बिजली कंपनी के कर्मचारी मामले को निपटाने के लिए और पैसे मांगते हैं। इसलिए, मेरा तीसरा वादा यही है कि हम 31 दिसंबर, 2021 से पहले जारी किए गए सभी लंबित बिल माफ करेंगे, क्योंकि मुझे पता है कि लंबित बिल में से 70 से 80 प्रतिशत सही नहीं है।'' भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के 'रेवड़ी कल्चर' वाले बयान पर निशाना साधते हुए केजरीवाल ने कहा कि वह भाजपा ही थी, जिसने पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव से पहले 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली देने का वादा किया था।

# स्वतंत्रता सैनानी नरसिंहभाई पटेल का 102 वर्ष की आयु में निधन,दांडीकूच के गवाह थे

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

स्वतंत्रता सैनानी और गांधीजी के नेतृत्व में हुई दांडीकूच के गवाह नरसिंहभाई पटेल का 102 वर्ष की आयु में न्यूजीलैंड में निधन हो गया है। नरसिंहभाई पटेल अपने बेटे के साथ न्यूजीलैंड में स्थायी हो गए थे।

नरसिंहभाई पटेल के निधन से गांधीवादी और नवसारी के तटीय क्षेत्र में शोक व्याप्त है। नरसिंहभाई पटेल दांडीकूच के इकलौते और अंतिम गवाह थे। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोल्ट मेमोरियल के लोकार्पण के दौरान नरसिंहभाई पटेल का सम्मान किया था।

# कोर्ट ने तीस्ता सेतलवाड और आरबी श्रीकुमार की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद,यहां के सत्र न्यायालय में गुजरात दंगों से जुड़े मामले में गिरफ्तार सामाजिक कार्यकर्ता तीस्ता सेतलवाडा और पूर्व आईपीएस आरबी श्रीकुमार की जमानत याचिका पर सुनवाई पूर्ण हो चुकी है। अदालत जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रखा है। राज्य सरकार ने सेतलवाड और श्रीकुमार की जमानत का कड़ा विरोध किया। सरकार कोर्ट से कहा कि अगर आरोपियों को जमानत दी जाती है तो मामले की जांच पर प्रभावित होगी। चूंकि मामले की जांच चल रही है और आरोपी रसूखदार हैं, ऐसे में उन्हें जमानत दी जाती है तो वह जांच को प्रभावित कर सकते हैं। इतना ही नहीं आरोपियों का राजनीतिक दल के साथ अच्छे संबंधों और अन्य मामलों को ध्यान में रखते हुए उनकी जमानत को मंजूरी ना दी जाए। दूसरी ओर तीस्ता सेतलवाड और आरबी श्रीकुमार ने उनके खिलाफ फर्जी मामला दर्ज किए जाने की पेश करते हुए जमानत देने की मांग की। तीस्ता सेतलवाड ने महिला होने का हवाला देते हुए अदालत से उन्हें जमानत देने की गुहार लगाई।